ज्येष्ठ कृष्णा - 7 ▪ संवत 2082 ▪ वर्ष - 12 ▪ अंक - 289 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » सोमवार » 19-05-2025 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने आईएसआई के निमंत्रण पर पाकिस्तान का दौरा किया था: हिमंत

6 जरूरी है तुर्किए को कड़ा संदेश देना

7 'जेठानी' में रानी का सुहागन अवतार सोशल मीडिया पर छाया

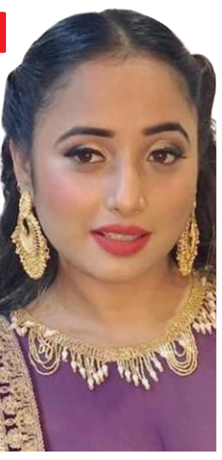

फर्स्ट टेक

हैदराबाद में विस्फोट की साजिश रच रहे दो संदिग्ध व्यक्ति गिरफ्तार

विजयनगरम(आंध्र प्रदेश)/भाषा। आंध्र प्रदेश और तेलंगाना पुलिस ने एक संयुक्त अभियान के तहत हैदराबाद में विस्फोट की साजिश रच रहे दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया। विजयनगरम के सिराज उर रहमान (29) को एक गुप्त सूचना के बाद हिरासत में लिया गया। पुलिस ने रविवार को बताया कि छापेमारी के दौरान आरोपी के परिसर से अमोनिया, सल्फर और एल्युमीनियम पाउडर सहित विस्फोटक सामग्री जब्त की गई। पुलिस ने बताया, जांच के दौरान रहमान ने हैदराबाद के एक अन्य व्यक्ति सैयद समीर (28) के बारे में जानकारी दी, जिसके बाद उसे भी हिरासत में ले लिया गया। पुलिस के मुताबिक, दोनों आरोपी हिरासत में हैं और उन्हें अदालत में पेश किया जाएगा।

ब्रिटिश पर्वतारोही ने 19वीं बार एवरेस्ट पर चढ़ाई की, रिकॉर्ड तोड़ा

काठमांडू/एपी। ब्रिटिश पर्वतारोही गाइड ने रविवार को 19वीं बार माउंट एवरेस्ट पर चढ़ाई की और उन्होंने दुनिया के सबसे ऊंचे पर्वत पर सबसे अधिक बार चढ़ाई करने का अपना ही रिकॉर्ड तोड़ दिया। ब्रिटिश पर्वतारोही, माउंट एवरेस्ट पर सबसे ज्यादा बार चढ़ाई करने वाले ऐसे व्यक्ति हैं, जो शेरपा नहीं हैं। 'हिमालयन गाइड्स नेपाल' के ईश्वरी पौडेल ने बताया कि दक्षिण-पश्चिम इंग्लैंड के रहने वाले 51 वर्षीय केंटन कूल ने रविवार को कई अन्य पर्वतारोहियों के साथ 8,849 मीटर ऊंची चोटी पर चढ़ाई की और उनका स्वास्थ्य अच्छा है तथा वे शिखर से नीचे उतर रहे हैं।

रूस ने यूक्रेन पर भीषण ड्रोन हमला किया

कीव/एपी। रूस ने यूक्रेन पर बीती रात भीषण ड्रोन हमला किया जिसमें कम से कम एक व्यक्ति की मौत हो गई। इसे वर्ष 2022 में यूक्रेन के खिलाफ छेड़े गए युद्ध के बाद से अब तक किए गए भीषणतम ड्रोन हमलों में से एक माना जा रहा है। यूक्रेन की वायुसेना ने बताया कि रूस ने रात भर में कुल 273 विस्फोटक ड्रोन दागे, जिनमें से 88 को नष्ट कर दिया गया और 128 अन्य संभवत: इलेक्ट्रॉनिक रूप से जाम किए जाने की वजह से बेकार हो गए। कीव के क्षेत्रीय गवर्नर मायकोला कलाश्निक ने बताया कि क्षेत्र पर ड्रोन हमले में एक महिला की मौत हो गई और तीन अन्य लोग घायल हो गए। शुक्रवार को मॉस्को और कीव के बीच वर्षों बाद हुई पहली सीधी वार्ता के बाद यह हमला हुआ। रूस और यूक्रेन के बीच शुक्रवार को हुई वार्ता में युद्धविराम पर कोई नतीजा नहीं निकला।

19-05-2025 सूर्यास्त	20-05-2025 सूर्योदय
6:28 बजे	5:42 बजे

BSE	NSE
82,330.59	25,019.80
(-200.15)	(-42.30)

सोना	चांदी
9,890 रु.	109,000 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

क्या खुदा...

क्या खुदा खुश होता है,
किसीके बेदखल होने पर।
क्या वह नाराज होता है,
इबादत में खलल होने पर।
क्या उदास होता है कभी,
आपस में टसल होने पर।
हां,कराहता जरूर है,
इंसानियत कतल़ होने पर।।

ऑपरेशन सिंदूर ने आतंकवाद पर पाकिस्तान के झूठ को उजागर किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद/भाषा। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि स्वदेश निर्मित ब्रह्मोस मिसाइल ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तानी हवाई ठिकानों को नष्ट कर दिया, जबकि चीन से उधार ली गई उसकी वायु रक्षा प्रणाली का इस्तेमाल नहीं हो पाया।

शाह ने यहां एक समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि अतीत में सर्जिकल स्ट्राइक और हवाई हमले पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) तक ही सीमित थे, लेकिन भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान की सीमा में 100 किलोमीटर तक घुसकर आतंकवादियों और उनके ठिकानों को नष्ट किया। उन्होंने कहा, ''हमारी स्वदेशी रूप से विकसित ब्रह्मोस (सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल प्रणाली) ने पाकिस्तान के हवाई ठिकानों को नष्ट करने का काम किया, पाकिस्तान द्वारा चीन से उधार ली गई वायु रक्षा प्रणाली का इस्तेमाल नहीं हुआ।'' उन्होंने कहा, ''हमारी वायुसेना ने सटीक हमले किए और पाकिस्तान के कई ऐसे स्थानों पर भारी क्षति पहुंचायी, जिन्हें अभेद्य माना जाता था। जब सीमा सुरक्षा का इतिहास लिखा जाएगा तो ऑपरेशन सिंदूर को स्वर्ण अक्षरों में लिखा जाएगा।''

▪ पाकिस्तानी सेना के वरिष्ठ अधिकारी आतंकवादियों के जनाजे की नमाज में शामिल हुए, जिससे पाकिस्तानी सेना, पाकिस्तान और आतंकवाद के बीच गठजोड़ उजागर हुआ और पूरी दुनिया को पता चला कि पाकिस्तान आतंकवादियों के अड्डे चलाता है।

भारतीय सशस्त्र बलों ने ऑपरेशन सिंदूर पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद शुरू किया था। पहलगाम में आतंकवादी हमले में 25 भारतीय और एक नेपाली नागरिक मारा गया था।

इस अभियान ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकवादी बुनियादी ढांचे को नष्ट कर दिया, जहां से भारत के खिलाफ आतंकवादी हमलों की योजना बनाई जाती थी और उन्हें निर्देशित किया जाता था।

तकनीकी खामी की वजह से

पीएसएलवी रॉकेट पृथ्वी अवलोकन उपग्रह को कक्षा में भेजने में विफल रहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीहरिकोटा (आंध्र प्रदेश)/भाषा। इसरो रविवार को अपने पृथ्वी अवलोकन उपग्रह को कक्षा में स्थापित करने में विफल रहा, क्योंकि यहां अंतरिक्ष केंद्र से प्रक्षेपण के कुछ ही मिनटों बाद उसके विश्वसनीय पीएसएलवी रॉकेट में खराबी आ गई।

यहां स्थित अंतरिक्ष केंद्र से इसरो के 101वें मिशन में ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान (पीएसएलवी-सी61) ने सुबह 5:59 बजे उड़ान भरी, लेकिन उड़ान के छह मिनट बाद ही इसमें कुछ असामान्यता आ गई।

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष वी नारायणन ने कहा, ''आज हमारा श्रीहरिकोटा से 'पीएसएलवीसी61 ईओएस-09 मिशन' के तहत 101वें प्रक्षेपण का लक्ष्य था। पीएसएलवी चार चरण वाला यान है और दूसरे चरण तक इसका प्रदर्शन सामान्य था। तीसरे चरण में मोटर सही से चालू हो गई थी लेकिन इस चरण के संचालन के दौरान मिशन पूरा नहीं हो सका।''

नारायणन ने कहा कि मोटर केस के चैम्बर दबाव में गिरावट आई और मिशन पूरा नहीं हो सका। उन्होंने कहा, ''हम पूरे प्रदर्शन की समीक्षा कर रहे हैं तथा जल्द ही और जानकारी देंगे।''

यह इसरो के विश्वसनीय रॉकेट 'पीएसएलवी' की तीसरी विफलता है। पीएसएलवी को इसलिए भी काफी भरोसेमंद माना जाता है कि इसने 'चंद्रयान-1' और 'मंगल ऑर्बिटर मिशन' को सफलतापूर्वक प्रक्षेपित किया था।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को किसी देश की दादागिरी बर्दाश्त नहीं : साक्षी महाराज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बुलंदशहर/भाषा। सांसद डॉक्टर सच्चिदानंद हरि साक्षी जी महाराज ने उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर में आज कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को किसी भी देश की दादागिरी बर्दाश्त नहीं की बल्कि भारत-पाक युद्ध में दुश्मनों को उनके घर में घुसकर मारा गया।

यहां स्याना क्षेत्र स्थित नगला आलमपुर में बाबूजी कल्याण सिंह कॉलेज ऑफ़ लॉ के लोकार्पण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए साक्षी महाराज ने कहा कि राम मंदिर का निर्माण कल्याण सिंह की देन है। जिसके लिए उन्हें 24 घंटे की जेल भी हुई थी।

पूर्व सांसद व मंत्री राजवीर सिंह उर्फ राजू भैया ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में इस कॉलेज की स्थापना एक क्रांतिकारी कदम है। ये जिला मेरा एवं मेरे पिता की कर्मभूमि रही है। उन्होंने कहा कि राजनीति में भी हमारी हिस्सेदारी बढ़नी चाहिए। सांसद डॉक्टर भोला सिंह ने कहा कि इस टेक्निकल कॉलेज की स्थापना से युवा शिक्षित होकर पूरे देश में इस कॉलेज का नाम रोशन करेंगे। उन्होंने कालेज के प्रबंधक विनोद राजपूत के इस कदम को क्षेत्र की एक उपलब्धि बताया। सांसद मुकेश राजपूत ने कहा कि कल्याण सिंह द्वारा अपने मुख्यमंत्री काल में 73 व 74 वां पंचायत राज विधेयक लाकर जनप्रतिनिधियों को विशेष अधिकार प्रदान किए गए थे। स्याना क्षेत्र के विधायक देवेंद्र सिंह लोधी एडवोकेट ने कहा कि जिस प्रकार से कल्याण सिंह द्वारा जीवन पर्यंत लोगों को न्याय दिलाया गया। आज उसी प्रकार से उन्हीं के नाम पर लोगों को न्याय दिलाने वाले इस मां सरस्वती के मंदिर में अध्यनरत स्टूडेंट देशभर में लोगों को न्याय दिलाकर कल्याण सिंह के सपनों को साकार करेंगे। विधायक संजय शर्मा ने कहा कि लोगों को न्याय दिलाना जीवन में सर्वश्रेष्ठ पुण्य कार्य है। विधायक प्रवक्तानंद जी महाराज ने कहा कि इस कॉलेज के स्टूडेंट पूरे देश में लोगों को न्याय दिलाकर अपना कर्तव्य पूरा करेंगे।

हैदराबाद में इमारत में आग लगने से 17 लोगों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। हैदराबाद में ऐतिहासिक चारमीनार के पास स्थित गुलजार हाउस की एक इमारत में रविवार सुबह भीषण आग लगने से 17 लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि आग संभवत: शॉट सर्किट से लगी और इस घटना में जान गंवाने वालों में कई बच्चे हैं।

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, अस्पताल ले जाए गए सभी 17 लोगों को मृत घोषित कर दिया गया।

इस इमारत से बाहर निकलने का एकमात्र रास्ता एक लंबी और संकरी सीढ़ी थी, लेकिन लोग उस रास्ते से तेजी से बाहर नहीं निकल सके।

पुलिस ने बताया कि इमारत के भूतल पर आभूषण की दुकानें थीं और ऊपरी मंजिल पर एक फ्लैट में लोग रह रहे थे। पुलिस ने बताया कि धुआं फैलने से लोगों का दम घुटने लगा। तेलंगाना राज्य आपदा प्रतिक्रिया और अग्निशमन सेवा के महानिदेशक वाई नागी रेड्डी ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने संवाददाताओं को बताया कि आग सुबह छह बजे से सवा छह बजे देखी गई। उन्होंने बताया कि सुबह 6.16 बजे अग्निशमन विभाग को सूचना मिली और दमकल गाड़ी जल्द ही वहां पहुंच गई। उन्होंने बताया कि भूतल पर दुकानें थीं, जबकि इमारत की प्रथम और द्वितीय तल पर आवासीय परिसर था।

रेड्डी ने कहा, प्रथम दृष्टया आग लगने का कारण शॉपिंग क्षेत्र में बिजली की मुख्य आपूर्ति में शॉर्ट सर्किट होना प्रतीत होता है। उन्होंने कहा कि आग लगने के समय इमारत में कुल 21 लोग थे, जिनमें से अग्निशमन विभाग द्वारा 17 को अचेत अवस्था में अस्पताल पहुंचाया गया। उन्होंने कहा कि इमारत से बाहर निकलने का सिर्फ एक ही रास्ता था जो कि एक सीढ़ी थी जो काफी संकरी थी और इसी कारण वहां मौजूद लोग सुरक्षित बाहर नहीं निकल पाए। तेलंगाना अग्निशमन विभाग ने एक बयान में बताया कि आग भूतल पर लगी और ऊपरी मंजिलों तक फैल गई।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दुख व्यक्त किया

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हैदराबाद में आग लगने की घटना में जानमाल की हानि पर दुख व्यक्त किया। उन्होंने मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख रुपए तथा घायलों को 50-50 हजार रुपए दिये जाने की घोषणा की। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, तेलंगाना के हैदराबाद में आग लगने की घटना में लोगों की मौत होने से बहुत दुखी हूं। प्रियजनों को खोने वालों के प्रति संवेदना व्यक्त करता हूं और घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं। मृतकों के परिजनों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से दो-दो लाख रुपए की अनुग्रह राशि दी जाएगी तथा घायलों को 50-50 हजार रुपए दिए जाएंगे।

पंजाब किंग्स ने राजस्थान रॉयल्स को 10 रनों से हराया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/एजेन्सी। नेहाल वढेरा (70) और शशांक सिंह (नाबाद 59) की विस्फोटक अर्धशतकीय पारियों के बाद गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत पंजाब किंग्स ने रविवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 60वें मैच में राजस्थान रॉयल्स को 10 रनों से हरा दिया। पंजाब किंग्स की यह लगातार तीसरी जीत है और वह अंक तालिका में दूसरे स्थान पर और प्लेऑफ की दहलीज पर पहुंच गई है।

220 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी राजस्थान रॉयल्स के लिए यशस्वी जायसवाल

और वैभव सूर्यवंशी की सलामी जोड़ी ने विस्फोटक

बल्लेबाजी का मुजाहिरा करते हुए पहले विकेट की साझेदारी में ओवर में 76 रन जोड़ डाले। हरप्रीत बराड़ ने पांचवें ओवर की पांचवीं गेंद पर वैभव सूर्यवंशी को आउटकर पंजाब को पहली सफलता दिलाई। वैभव सूर्यवंशी ने 15 गेंदों में चार चौके और चार छक्के लगाते हुए (40) रनों की पारी खेली। इसके बाद नौवें ओवर में हरप्रीत ने यशस्वी जायसवाल को आउटकर राजस्थान को संकट में डाल दिया। यशस्वी जायसवाल ने 25 गेंदों में नौ चौके और एक छक्का लगाते हुए (50) रन बनाये। राजस्थान का तीसरा विकेट संजू सैमसन 16 गेंदों में (20) के रूप में गिरा।उन्हें ओमरजई ने आउट किया। 14वें ओवर में हरप्रीत ने रियान पराग (13) को बोल्ड कर मैच में रोमांच भर दिया। इसके बाद ध्रुव जुरेल और शिमरॉन हेटमायर ने पारी को संभालने का प्रयास किया।

इजराइली सेना ने गाजा में नया जमीनी सैन्य अभियान शुरू किया

यरुशलम/एपी। इजराइली सेना ने रविवार को गाजा पट्टी में ''व्यापक'' स्तर पर नया जमीनी सैन्य अभियान शुरू करने का ऐलान किया। इजराइल द्वारा 20 लाख से अधिक लोगों की आबादी वाले फलस्तीनी क्षेत्र में हमले की शुरुआत करने के एक दिन बाद यह बयान आया है। यह हमास पर अपनी शर्तों पर नये युद्धविराम समझौते पर सहमति के लिए दबाव बनाने का इजराइल का नवीनतम प्रयास है। इजराइली सेना ने बयान में कहा है कि सेना ने पिछले सप्ताह दर्जनों लड़ाकों को मार गिराया और 670 से अधिक लक्ष्यों को निशाना बनाया। गाजा में स्वास्थ्यकर्मियों का कहना है कि इन नये हमलों में सैकड़ों लोग मारे गए हैं।

राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ के मुख्यालय पर वर्ष 2006 में हुए हमले का मुख्य षडयंत्रकारी

लश्कर-ए-तैयबा के आतंकवादी रजाउल्ला निजामनी की हत्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ के मुख्यालय पर वर्ष 2006 में हुए हमले के मुख्य षडयंत्रकारी और लश्कर-ए-तैयबा के आतंकवादी रजाउल्ला निजामनी खालिद उर्फ अबू सैफुल्ला की रविवार को पाकिस्तान के सिंध प्रांत में अज्ञात बंदूकधारियों ने गोली मारकर हत्या कर दी। अधिकारियों ने यहां यह जानकारी दी।

खालिद 2000 की शुरुआत में नेपाल से लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के आतंकी अभियानों का नेतृत्व करता था और उसे विनोद कुमार, मोहम्मद सलीम और रजाउल्ला नाम से भी जाना जाता था।

अधिकारियों ने बताया कि खालिद भारत में कई आतंकी हमलों में शामिल रहा था। उन्होंने बताया कि खालिद आज (रविवार को) दोपहर सिंध के मतली में अपने घर से निकला था और सिंध प्रांत के बदनी में एक चौराहे के पास हमलावरों ने उसे गोली मार दी। लश्कर के अबू अनस का करीबी सहयोगी खालिद नागपुर में संघ मुख्यालय पर हमले का मास्टरमाइंड था, जिसमें तीनों आतंकवादी मारे गए थे।

संघ मुख्यालय पर हमले के अलावा, लश्कर का यह आतंकवादी खालिद 2005 में बेंगलूरु स्थित भारतीय विज्ञान संस्थान पर हुए आतंकी हमले में भी शामिल था, जिसमें आईआईटी के प्रोफेसर मुनीश चंद्र पुरी की मौत हो गई थी और चार अन्य लोग घायल हुए थे।

आतंकवादी घटनास्थल से भाग निकले थे, हालांकि बाद में पुलिस ने मामले की जांच की और अबू अनस के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया। अनस अब भी फरार है।

खालिद 2008 में उत्तर प्रदेश के रामपुर में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) शिविर पर हुए हमले का भी मास्टरमाइंड था, जिसमें सात जवान और एक नागरिक की मौत हो गयी थी।

दोनों आतंकवादी अंधेरे का फायदा उठाकर भाग गये थे।

'एक राष्ट्र एक चुनाव' देशहित में : चौहान

हैदराबाद/भाषा। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने रविवार को कहा कि बार-बार चुनाव 'विकसित भारत' के निर्माण में बाधा बन गए हैं और उन्होंने देशहित में एक साथ चुनाव कराने की जरूरत पर बल दिया।

चौहान ने यहां 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' की आवश्यकता पर आयोजित एक व्याख्यान को ऑनलाइन माध्यम से संबोधित

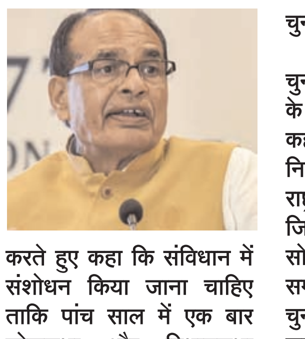

करते हुए कहा कि संविधान में संशोधन किया जाना चाहिए ताकि पांच साल में एक बार लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ कराए जाएं।

उन्होंने कहा, ''बार-बार चुनाव होना 'विकसित भारत' के निर्माण में बाधा बन गया है। कहीं न कहीं इसे रोकना और नियंत्रित करना होगा। हमें राष्ट्रहित के बारे में सोचना होगा। जिम्मेदार नागरिक की तरह सोचें और संकल्प लें कि अब समय आ गया है कि एक साथ चुनाव हों। इससे देश को बहुत लाभ होगा।''

आईएमएफ ने पाकिस्तान पर 11 नई शर्तें लगाईं, पाकिस्तान को चेताया

इस्लामाबाद/भाषा। अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) ने अपने राहत कार्यक्रम की अगली किस्त जारी करने के लिए पाकिस्तान पर 11 नई शर्तें लगाई हैं। इसके साथ ही आईएमएफ ने पाकिस्तान को चेताया है कि भारत के साथ तनाव से योजना के राजकोषीय, बाह्य और सुधार लक्ष्यों के लिए जोखिम बढ़ सकते हैं। रविवार को मीडिया की खबरों में यह जानकारी दी गई है।

पाकिस्तान पर लगाई गई नई शर्तों में 17,600 अरब रुपए के नए बजट को संसद की मंजूरी, बिजली बिलों पर ऋण भुगतान अधिभार में वृद्धि और तीन साल से अधिक पुरानी कारों के आयात पर प्रतिबंध को हटाना शामिल है।

'एक्सप्रेस ट्रिब्यून' अखबार की रिपोर्ट में कहा गया है कि आईएमएफ द्वारा शनिवार को जारी कर्मचारी स्तर की रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव से इस कार्यक्रम के राजकोषीय, बाह्य और सुधार लक्ष्यों के लिए जोखिम बढ़ सकते हैं।''

रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि पिछले दो सप्ताह में पाकिस्तान और भारत के बीच तनाव काफी बढ़ गया है, लेकिन अबतक, बाजार की प्रतिक्रिया मामूली रही है और शेयर बाजार ने अपने हाल के अधिकांश लाभ को बरकरार रखा है।

आईएमएफ की रिपोर्ट में अगले वित्त वर्ष के लिए रक्षा बजट 2,414 अरब रुपए रुपए दिखाया गया है, जो 252 अरब रुपए या 12 प्रतिशत अधिक है। आईएमएफ के अनुमान की तुलना में सरकार ने इस महीने की शुरुआत में भारत के साथ टकराव बढ़ने के बाद रक्षा क्षेत्र के लिए 2,500 अरब रुपए या 18 प्रतिशत अधिक आवंटित करने का संकेत दिया है।

केंद्र ने सुनिश्चित किया, वित्तीय रूप से 'बीमार' न हों पैक्स : अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद/भाषा। केंद्र ने पंजीकृत प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (पैक्स) को वित्तीय रूप से 'बीमार' होने से बचाने के लिए कदम उठाए हैं। केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह ने रविवार को यह बात कही। उन्होंने कहा कि पैक्स के परिसमापन की स्थिति में उनके तेजी से समाधान और उनके स्थान पर नए पैक्स के पंजीकरण के लिए जल्द ही एक नीति बनेगी।

केंद्रीय सहकारिता मंत्री ने कहा कि नरेन्द्र मोदी सरकार का लक्ष्य 2029 तक दो लाख नये पैक्स की स्थापना करना है। इन्हें 22 विभिन्न प्रकार के व्यवसायों से जोड़ा जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित करने की व्यवस्था की जा रही है कि पंजीकृत पैक्स वित्तीय रूप से बीमार न हों। शाह ने अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के अवसर पर आयोजित सहकारी महासम्मेलन में कहा, ''केंद्र सरकार ने 22 विभिन्न प्रकार के व्यवसायों को पैक्स से जोड़ने का काम किया है और मुझे यकीन है आने वाले समय में एक भी पंजीकृत पैक्स वित्तीय रूप से बीमार नहीं होगा।'' उन्होंने कहा केंद्र सरकार जल्द ही परिसमापन में गए पैक्स के तेजी से समाधान और उनकी जगह नए पैक्स के पंजीकरण के लिए नीति लाने जा रही है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि डेयरी क्षेत्र में आइसक्रीम, चीज, पनीर बनाने, दूध को ठंडा रखने और वसा मापने जैसे उपकरणों के निर्माण के लिए सहकारी स्वामित्व वाली कंपनियों को बढ़ावा दिया जा रहा है।

शाह ने 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता का जश्न मनाने के लिए 'तिरंगा यात्रा' में हिस्सा लिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता का जश्न मनाने के लिए गुजरात के अहमदाबाद शहर के साणंद में रविवार को 'तिरंगा यात्रा' में हिस्सा लिया।

तिरंगा थामे शाह ने नल सरोवर चौकड़ी से एकलिंगजी रोड पर महाराणा प्रताप चौक तक पैदल यात्रा की, जहां पहुंचकर उन्होंने 16वीं सदी के महान योद्धा की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। पैदल यात्रा में भाग लेने वालों में गुजरात के गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी, स्थानीय विधायक, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता व कार्यकर्ता और यहां के प्राथमिक व माध्यमिक विभागों के शिक्षक और पदाधिकारी शामिल हुए। भाजपा की गुजरात इकाई द्वारा जारी विज्ञप्ति में बताया गया कि साणंद और आसपास के इलाकों से बड़ी संख्या में लोग, सामाजिक और राजनीतिक नेता 'तिरंगा यात्रा' में शामिल हुए तथा भारत माता की जय का नारा लगाया व सशस्त्र बलों के साहस और वीरता को सलाम किया।

शनिवार से दो दिवसीय गुजरात दौरे पर आए शाह ने विभिन्न कार्यक्रमों में भी हिस्सा लिया और कई करोड़ रुपए की परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास किया।

विदेश मंत्री जयशंकर तीन देशों की यात्रा पर जायेंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। विदेश मंत्री एस. जयशंकर सोमवार को नीदरलैंड, डेनमार्क और जर्मनी की छह दिवसीय यात्रा पर रवाना होंगे। इस दौरान वह सीमा पार आतंकवाद को पाकिस्तान के निरंतर समर्थन के मुद्दे को उठा सकते हैं।

भारतीय और पाकिस्तानी सशस्त्र बलों के बीच चार दिन तक चली सैन्य झड़प के बाद जयशंकर की यह पहली विदेश यात्रा होगी। विदेश मंत्रालय ने रविवार को कहा, ''विदेश मंत्री एस. जयशंकर 19 से 24 मई तक नीदरलैंड, डेनमार्क और जर्मनी की आधिकारिक यात्रा पर जाएंगे।'' मंत्रालय ने कहा कि जयशंकर तीनों देशों के नेतृत्व से मिलेंगे और अपने समकक्षों के साथ द्विपक्षीय संबंधों तथा आपसी हित के क्षेत्रीय और वैश्विक मामलों पर चर्चा करेंगे।

उम्मीद है कि जयशंकर तीनों देशों के अपने समकक्षों को पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू करने संबंधी भारत के फैसले से भी अवगत कराएंगे। 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत भारत ने सात मई की सुबह पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में नौ आतंकवादी ढांचों को नष्ट कर दिया था। भारत की कार्रवाई के बाद पाकिस्तान ने 8, 9 और 10 मई को भारतीय सैन्य ठिकानों पर हमला करने का प्रयास किया।

चार दिन के टकराव के बाद 10 मई को दोनों पक्षों के बीच संघर्ष रोके जाने पर सहमति बनी थी।

भारत का सैन्य प्रभुत्व आत्मनिर्भर रक्षा उत्पादन मॉडल का परिणाम है : देवेन्द्र फडणवीस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने रविवार को कहा कि भारत के पास सर्वश्रेष्ठ रक्षा क्षमताएं हैं और देश का सैन्य प्रभुत्व 2014 में शुरू किए गए आत्मनिर्भर रक्षा उत्पादन मॉडल का परिणाम है।

फडणवीस ने नागपुर जिले के खापरखेडा गांव में 'तिरंगा यात्रा' के बाद पत्रकारों से कहा कि दुनिया को भी अब यह एहसास हो गया है कि भारत के पास सबसे अच्छी रक्षा प्रौद्योगिकी है।

फडणवीस ने कहा, भारत विश्व स्तर पर शीर्ष पांच सशस्त्र बलों में शुमार है। दुनिया ने स्वीकार किया है कि हमारे पास सर्वोत्तम रक्षा क्षमताएं हैं। हमारी रक्षा क्षमता पाकिस्तान से पांच गुना अधिक है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रत्येक भारतीय सशस्त्र बलों के जवानों और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पीछे मजबूती से खड़ा है। उन्होंने कहा, यह यात्रा किसी एक राजनीतिक दल के लिए नहीं है, बल्कि यह राष्ट्र के समर्थन में एकता का प्रदर्शन है। भारत द्वारा किए गए सटीक हमलों में पाकिस्तानी बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचने की बात पाकिस्तान द्वारा हाल में स्वीकार किए जाने पर फडणवीस ने कहा, जब हमने कार्रवाई की तो उन्हें होश आया, उन्होंने संघर्ष रोकने के लिए बातचीत की और हमारे सामने घुटने टेक दिए। यह गर्व का क्षण है। हमारा सैन्य प्रभुत्व 2014 में शुरू किए गए आत्मनिर्भर रक्षा उत्पादन मॉडल का प्रत्यक्ष परिणाम है जिसका कभी मजाक उड़ाया जाता था लेकिन अब विश्व स्तर पर सम्मान किया जाता है।

मोदी सरकार द्वारा रक्षा क्षेत्र में शुरू की गई 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' पहलों ने रक्षा उपकरणों के स्वदेशी डिजाइन, विकास और निर्माण पर ध्यान केंद्रित किया है।

फडणवीस ने कहा कि भारतीय रक्षा उपकरणों की वैश्विक मांग देश के बढ़ते कद का प्रमाण है। उन्होंने दावा किया, ''दुनिया को अब यह एहसास हो गया है कि भारत के पास सर्वोत्तम रक्षा प्रौद्योगिकी है। यही कारण है कि अन्य देश हमें ऑर्डर दे रहे हैं।''

पाकिस्तान को तुर्किये के समर्थन की कड़ी आलोचना करते हुए उन्होंने कहा, मैं भारतीयों को उस देश का बहिष्कार करने के लिए बधाई देता हूं जो आतंकवाद और मानवता के खिलाफ अपराधों के साथ खड़ा है। तुर्किये को अब भारतीय नागरिकों की शक्ति का एहसास हो गया है।

देवेंद्र फडणवीस ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद विदेश भेजे वाले प्रतिनिधिमंडलों में सांसदों के चयन की आलोचना करने वालों पर निशाना साधते हुए कहा, कुछ लोग हर मुद्दे का राजनीतिकरण करते हैं। उनका न देश से कोई सरोकार है, न समाज से। उनकी नकारात्मक राजनीति ही अंततः उनके राजनीतिक जीवन का अंत करेगी।

फडणवीस ने कांग्रेस की 'जय हिंद रैली' पर कटाक्ष करते हुए कहा, एक तरफ राहुल गांधी भारतीय सेना पर सवाल उठाते हैं और दूसरी ओर कांग्रेस देशभक्ति की रैली निकालती है। राष्ट्रहित के मामलों को राजनीति से दूर रखना चाहिए।

ओवैसी ने नये वक्फ कानून की आलोचना की, उच्चतम न्यायालय से न्याय की उम्मीद जतायी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने नये वक्फ कानून को ''असंवैधानिक'' करार देते हुए आरोप लगाया है कि इसका उद्देश्य वक्फ संपत्तियों को ''नष्ट'' करना है। उन्होंने इस मामले में उच्चतम न्यायालय से न्याय मिलने की उम्मीद जतायी।

ओवैसी ने 'पीटीआई-वीडियो' के साथ एक साक्षात्कार में यह भी सवाल उठाया कि जब विभिन्न मुद्दों के लिए कई अलग-अलग कानून हैं, तो समान नागरिक संहिता (यूसीसी) 'समान' कैसे हो सकती है। हैदराबाद से लोकसभा सदस्य ओवैसी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और वक्फ (संशोधन) अधिनियम की सराहना करने वालों को चुनौती दी कि वे बताएं कि नये कानून में कौन सी धाराएं अच्छी हैं। ओवैसी ने सवाल किया, ''मुझे बताएं कि यह किस तरह से प्रगतिशील कानून है? मुझे एक प्रावधान बताएं, जिससे वक्फ की संपत्ति बचेगी। मुझे एक प्रावधान बताएं, जिससे वक्फ की आय में वृद्धि होगी और एक प्रावधान जिससे अतिक्रमणकारियों को हटाया जाएगा।'' ओवैसी वक्फ (संशोधन) विधेयक पर संसद की संयुक्त समिति के एक सदस्य थे। उन्होंने आरोप लगाया कि नया कानून वक्फ को नष्ट करने के लिए बनाया गया है। एआईएमआईएम प्रमुख ओवैसी ने कहा, ''आपने (पिछले कानून से) अच्छे प्रावधानों को हटा दिया। मुझे बताइये कि (नये कानून में) कौन सी धाराएं अच्छी हैं... न तो सरकार और न ही उनके समर्थन में बैठे लोग बता पाएंगे।''

सरकार को इलेक्ट्रॉनिक कलपुर्जा विनिर्माण योजना के लिए 70 आवेदन मिलेः वैष्णव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि सरकार को 23,000 करोड़ रुपए की इलेक्ट्रॉनिक्स कलपुर्जा विनिर्माण योजना के लिए 70 आवेदन मिले हैं और अधिकांश आवेदक छोटे और मध्यम उद्यम हैं। ये आवेदन योजना के लिए खिड़की खुलने के 15 दिन के भीतर आए हैं।

वैष्णव ने पीटीआई-भाषा से कहा, इलेक्ट्रॉनिक्स कलपुर्जा विनिर्माण योजना को जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली है। आवेदन खुलने के 15 दिनों के भीतर लगभग 70 आवेदन आए हैं।

केंद्रीय मंत्री ने आवेदकों के नाम का खुलासा नहीं किया। हालांकि, सूत्रों ने पहले बताया था कि टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स, डिक्सन टेक्नोलॉजीज और फॉक्सकॉन उन बड़ी कंपनियों में शामिल हैं जिन्होंने इस योजना में रुचि दिखाई है।

वैष्णव ने कहा कि जहां कुछ बड़ी कंपनियों ने आवेदन किया है, वहीं छोटी और मझोली कंपनियों ने भी इस योजना में काफी रुचि दिखाई है।

मंत्री ने कहा, 80 प्रतिशत आवेदन छोटे और मझोले उद्यमों से आए हैं। सरकार ने एक मई को 22,805 करोड़ रुपए की इलेक्ट्रॉनिक्स कलपुर्जा विनिर्माण योजना (ईसीएमएस) के लिए आवेदन खोले। इस योजना का उद्देश्य इलेक्ट्रॉनिक कलपुर्जा खंड में मांग-आपूर्ति की कमी को दूर करना है।

जम्मू-कश्मीर के पुंछ में 42 बिना फटे हुए गोले नष्ट किए गए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जम्मू/भाषा। सुरक्षा बलों ने भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य टकराव के बाद नागरिक इलाकों को सुरक्षित बनाने के उद्देश्य से चलाए गए एक बड़े अभियान के तहत रविवार को जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा के पास विभिन्न अग्रिम गांवों में 42 बिना फटे गोले नष्ट कर दिए। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी।

रक्षा प्रवक्ता ने बताया कि भारतीय सेना ने स्थानीय पुलिस अधिकारियों के साथ मिलकर झुल्लास, सलोत्री, धराटी और सलानी के सीमावर्ती इलाकों में 42 बिना फटे गोला-बारूद को सुरक्षित तरीके से नष्ट करने के लिए एक नियंत्रित अभियान सफलतापूर्वक चलाया। उन्होंने कहा कि ये गोले हाल ही में सीमा पार से हुई गोलाबारी के अवशेष हैं और स्थानीय निवासियों के जीवन और सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा पैदा कर रहे थे।

प्रवक्ता ने बताया कि अभियान को अत्यंत सटीकता के साथ अंजाम दिया गया और नागरिक जीवन या संपत्ति को किसी भी तरह के जोखिम से बचाने के लिए सभी मानक सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन किया गया।

उन्होंने बताया कि भारतीय सेना की बम निरोधक टीम ने पुलिस के साथ मिलकर सभी विस्फोटक अवशेषों को पूरी तरह से निष्क्रिय कर दिया।

उन्होंने कहा कि यह सक्रिय प्रयास संघर्ष प्रभावित क्षेत्रों में नागरिक आबादी की सुरक्षा और कमजोर सीमावर्ती समुदायों में सामान्य स्थिति बहाल करने के प्रति संगठन की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

भारत ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत सात मई को पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में नौ आतंकी ढांचों को नष्ट कर दिया था।

भारत की कार्रवाई के बाद, पाकिस्तान ने 8, 9 और 10 मई को भारतीय सैन्य ठिकानों पर हमला करने का प्रयास किया।

चार दिनों के टकराव के बाद 10 मई को दोनों पक्षों के बीच सैन्य कार्रवाई रोकने पर सहमति बनी।

क्रूज पर्यटन में महाशक्ति बन सकता है भारतः थॉमस कुक इंडिया

नई दिल्ली/भाषा। भारत में समुद्री और नदी क्रूज पर्यटन के क्षेत्र में महाशक्ति बनने की क्षमता है, हालांकि हवाई किराये में उतार-चढ़ाव और गुणवत्तापूर्ण होटलों की सीमित उपलब्धता जैसी बुनियादी संरचनागत कमियां घरेलू बाजार के लिए चुनौतियां पेश करती हैं। थॉमस कुक इंडिया के प्रबंध निदेशक (एमडी) और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) महेश अय्यर ने यह बात कही है।

अय्यर ने बातचीत में कहा कि क्रूज अवकाश एक अत्यधिक व्यवहार्य यात्रा विकल्प के रूप में उभरा है, क्योंकि इनमें कई वीजा की जटिलताएं समाप्त हो गई हैं, तथा गंतव्यों के बीच निर्बाध यात्रा की सुविधा उपलब्ध हो गई है। इसमें एक ही साथ आवास, भोजन, मनोरंजन और दर्शनीय स्थलों की यात्रा की सुविधा भी उपलब्ध हो गई है। अय्यर ने कहा, क्रूज़ भारत मिशन और मैरीटाइम इंडिया विज़न-2030 जैसी सरकारी पहल के साथ, हम इस क्षेत्र में सकारात्मक वृद्धि और विस्तार की उम्मीद करते हैं।

आईटीबीपी ने छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित क्षेत्र में पहला पशु अस्पताल खोला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

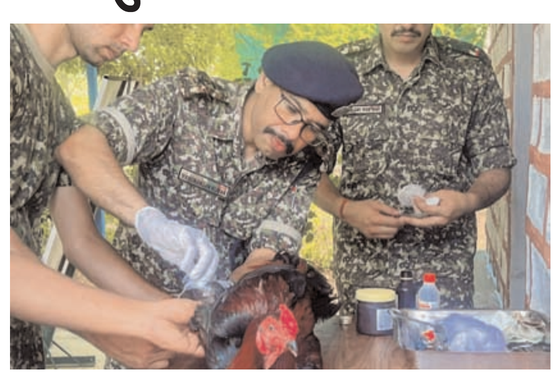

रायपुर/भाषा। छत्तीसगढ़ के नक्सल हिंसा प्रभावित सुदूर क्षेत्र में भारत तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) ने पशुओं के लिए पहला फील्ड अस्पताल खोला है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी।

यह निशुल्क पशु अस्पताल मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले के सीतागांव में स्थित है, जो महाराष्ट्र की सीमा से सटा हुआ है और छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर से लगभग 150 किलोमीटर दूर है। आईटीबीपी की 27वीं बटालियन के कमांडिंग ऑफिसर विवेक कुमार पांडे ने शनिवार को इसका उद्घाटन किया। इसके बाद बड़ी संख्या में लोग मुर्गियां, गाय और यहां तक कि कुत्ते जैसे अपने पशुओं को लेकर इस अस्पताल में आने लगे हैं। अधिकारियों ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि इस फील्ड अस्पताल में सीतागांव के आसपास के 20 गांवों के करीब 12,000 पशुओं का इलाज हो सकेगा। ये पशु कई ग्रामीणों के लिए आय का प्रमुख स्रोत हैं।

आईटीबीपी को नक्सल विरोधी अभियानों के लिए जिले में तैनात किया गया है और इसके पशु चिकित्सक और पैरामेडिकल स्टाफ फील्ड अस्पताल में पशुओं की नियमित जांच और निशुल्क उपचार करेंगे। इस क्षेत्र में पशुओं के लिए एक बुनियादी अस्पताल खोलने का विचार आईटीबीपी के मन में एक सरकारी सर्वेक्षण के बाद आया।

भारत इलेक्ट्रिक तिपहिया वाहन का सबसे बड़ा बाज़ारः आईईए

नई दिल्ली/भाषा। भारत लगातार दूसरे साल इलेक्ट्रिक तिपहिया वाहन के लिए दुनिया का सबसे बड़ा बाजार बना हुआ है। बीते साल भारत में इलेक्ट्रिक तिपहिया की बिक्री लगभग 20 प्रतिशत बढ़कर लगभग सात लाख इकाई पर पहुंच गई है। अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) की एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। पेरिस स्थित ऊर्जा नियामक ने अपने 'वैश्विक ईवी परिदृश्य-2025' में कहा कि भारत वैश्विक इलेक्ट्रिक तिपहिया वाहन बाजार में सबसे अधिक वृद्धि को आगे बढ़ा रहा है। वैश्विक तिपहिया वाहन बाजार में पिछले वर्ष की तुलना में पांच प्रतिशत की गिरावट के बावजूद, इलेक्ट्रिक तिपहिया वाहन की बिक्री 2024 में 10 प्रतिशत से अधिक बढ़कर 10 लाख वाहन को पार कर गई। इलेक्ट्रिक तिपहिया वाहन की बिक्री सभी तिपहिया वाहन बिक्री का लगभग एक-चौथाई है, जो 2023 में 20 प्रतिशत से अधिक था। यह बाजार अत्यधिक संकेन्द्रित है। इसमें चीन और भारत, दोनों की मिलाकर इलेक्ट्रिक और पारंपरिक तिपहिया वाहन की कुल बिक्री में 90 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी है।

भूमि बंदरगाहों से बांग्लादेशी निर्यात पर अंकुश लगाने का फैसला निष्पक्षता लाने के लिएः सूत्र

नई दिल्ली/भाषा। भूमि बंदरगाहों के जरिये बांग्लादेश के रेडीमेड वस्त्रों और कई अन्य उपभोक्ता वस्तुओं के निर्यात पर अंकुश लगाने का भारत का फैसला द्विपक्षीय व्यापार में निष्पक्षता और समानता लाने के लिए है। सरकारी सूत्रों ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश के साथ भारत के व्यापार संबंध पारस्परिक शर्तों पर आधारित होंगे और पड़ोसी देश से रेडीमेड वस्त्रों के निर्यात को प्रतिबंधित करने का फैसला ढाका द्वारा भारतीय धागों और चावल पर इसी तरह की व्यापार बाधाएं लगाने के जवाब में लिया गया है।

मुद्रास्फीति के आंकड़े वास्तविक स्थिति बयां नहीं करते, व्यय सर्वेक्षण संशोधन जरूरीः अर्थशास्त्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। अर्थशास्त्रियों का कहना है कि खुदरा मुद्रास्फीति के मौजूदा आंकड़े महंगाई की वास्तविक स्थिति को नहीं दर्शाते और कीमत वृद्धि की सही तस्वीर प्राप्त करने के लिए मौजूदा 2011-12 के उपभोक्ता व्यय सर्वेक्षण में जल्द-से-जल्द संशोधन करने की जरूरत है। उल्लेखनीय है कि पिछले सप्ताह जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, सब्जियों, फलों एवं दालों की कीमतों में नरमी आने से अप्रैल में खुदरा मुद्रास्फीति की दर घटकर लगभग छह साल के निचले स्तर 3.16 प्रतिशत पर आ गई है। लेकिन परिवार के शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य मदों में बढ़ते खर्च को देखते हुए यह माना जा रहा है कि यह आंकड़ा महंगाई की स्थिति का सही बयां नहीं करता।

जाने-माने अर्थशास्त्री और मद्रास स्कूल ऑफ इकनॉमिक्स के निदेशक प्रो. एन आर भानुमूर्ति ने पीटीआई-भाषा से कहा, ''माना जा रहा है कि खुदरा उपभोक्ताओं की खपत वस्तुओं की संरचना में बदलाव हुआ है। ऐसे में इसे जीवनयापन की लागत को दर्शाने के लिए भारांश और वस्तुओं में बदलाव की जरूरत है। अभी हम 2011-12 के उपभोक्ता व्यय सर्वेक्षण का इस्तेमाल कर रहे हैं और इसे जल्द-से-जल्द संशोधित करने की जरूरत है।'' उन्होंने कहा, ''उम्मीद है कि नये सर्वेक्षण में 2011-12 के मुकाबले खाद्य वस्तुओं का भारांश कम हो सकता है। इसी तरह कुछ नई वस्तुएं भी हैं जो औसत उपभोक्ताओं की खपत में शामिल हो सकती हैं।''

जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र के पूर्व प्रोफेसर डॉ. अरुण कुमार ने कहा, ''हम वर्तमान में जो सूचकांक (उपभोक्ता मूल्य सूचकांक) लेकर चल रहे हैं, वह न तो गरीब को और न ही अमीर को प्रतिबिंबित करता है...उपभोग प्रतिरूप बदलता रहता है। जैसे तीस साल पहले मोबाइल नहीं था। पर अब सबके हाथ में है और अब इस मद में खर्च बढ़ा है। लोग अब होटल, रेस्तरां में बाहर ज्यादा खाने लगे हैं...। स्कूल फीस, स्वास्थ्य पर खर्च बढ़ा है। इसीलिए खपत प्रतिरूप बदल रहा है और उसका भारांश भी बढ़ रहा है। इसमें समय-समय पर संशोधन होना चाहिए था। लेकिन अबतक नहीं हुआ है '' उपभोक्ता व्यय सर्वेक्षण के तहत यह पता लगाया जाता है कि परिवार किस प्रकार की वस्तुओं और सेवाओं पर खर्च करते हैं। इससे खपत प्रतिरूप को समझने में मदद मिलती है। वर्तमान में 2011-12 के सर्वेक्षण के आधार पर उपभोक्ता मूल्य सूचकांक का आकलन किया जाता है। यह सर्वेक्षण हर पांच साल में होता है।

परिवारों के खपत व्यय पर पिछला सर्वेक्षण 2022-23 और 2023-24 (अगस्त-जुलाई) में किया गया और इसके आधार पर सांख्यिकी एवं कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) के लिए आधार वर्ष मौजूदा 2012 से संशोधित कर 2024 करने पर काम कर रहा है। ऐसी संभावना है कि फरवरी, 2026 से 2022-23 के उपभोक्ता व्यय सर्वेक्षण के आधार पर सीपीआई आंकड़े जारी किये जाएंगे। एक सवाल के जवाब में भानुमूर्ति ने कहा, ''महंगाई दर 3.16 प्रतिशत पर आ गई है, लेकिन इसका मतलब है कि कीमतों में पिछले साल के मुकाबले 3.16% की वृद्धि हुई है, न कि कीमतों में गिरावट।''

प्रतिनिधिमंडल के लिए सरकार की ओर से चुने गए कांग्रेस नेता अपनी अंतरात्मा की आवाज सुनेंः पार्टी

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने रविवार को कहा कि वह 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद विभिन्न देशों में भेजे जाने वाले राजनयिक प्रतिनिधिमंडलों का हिस्सा बनने से किसी को नहीं रोक रही है और सरकार के कहने पर जिन नेताओं के नाम इसमें शामिल किए गए हैं, उन्हें अपनी अंतरात्मा की आवाज सुननी चाहिए तथा इस प्रक्रिया में योगदान देना चाहिए।

कांग्रेस महासचिव (संचार प्रभारी) जयराम रमेश ने सरकार पर प्रतिनिधिमंडलों के लिए नेताओं के चयन की प्रक्रिया का राजनीतिकरण करने और ''दुर्भावनापूर्ण इरादे'' रखने का आरोप लगाया, क्योंकि पार्टी द्वारा नामित चार नेताओं में से केवल एक को ही प्रतिनिधिमंडल में जगह दी गई है। पार्टी ने शनिवार को कहा कि सरकार ने उससे पाकिस्तान समर्थित आतंकवाद पर भारत का रुख स्पष्ट करने के लिए विदेश भेजे जाने वाले सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के लिए चार नेताओं के नाम देने को कहा था। कांग्रेस ने आनंद शर्मा, गौरव गोगोई, सैयद नसीर हुसैन और अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग को नामित किया था। पार्टी के मुताबिक, इन चारों में से केवल शर्मा को ही विभिन्न देशों का दौरा करने वाले सात प्रतिनिधिमंडलों में शामिल किया गया है। चार कांग्रेसी नेता – शशि थरूर, मनीष तिवारी, अमर सिंह और सलमान खुर्शीद को सरकार ने प्रतिनिधिमंडल में शामिल किया है जो पार्टी द्वारा भेजी गई सूची का हिस्सा नहीं थे।

मुख्यमंत्री स्टालिन का आठ राज्यों के मुख्यमंत्रियों से न्यायालय में राष्ट्रपति के संदर्भ का विरोध करने का आग्रह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने रविवार को पश्चिम बंगाल समेत 8 राज्यों के अपने समकक्षों से राष्ट्रपति और राज्यपाल के लिए विधेयकों पर निर्धारित समयसीमा को लेकर उच्चतम न्यायालय में भेजे गए राष्ट्रपति के संदर्भ का विरोध करने का अनुरोध किया और एक समन्वित कानूनी रणनीति की वकालत की।

तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रमुक के अध्यक्ष स्टालिन ने कहा, यह सर्वविदित है कि शीर्ष अदालत के परामर्श क्षेत्राधिकार का उपयोग तब नहीं किया जा सकता है, जब संबंधित मुद्दे पर पहले से ही अदालत द्वारा निर्णय लिया जा चुका हो। उन्होंने आरोप लगाया, फिर भी, भाजपा सरकार ने संदर्भ मांगने के लिए जोर दिया है, जो उनके भयावह इरादे की ओर इशारा करता है। उन्होंने गैर-भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों से शीर्ष अदालत के समक्ष राष्ट्रपति द्वारा मांगे गए इस संदर्भ का विरोध करने का अनुरोध किया।

उन्होंने 17 मई को लिखे पत्र में कहा, हमें न्यायालय के समक्ष एक समन्वित कानूनी रणनीति अपनानी चाहिए और संविधान के मूल ढांचे को संरक्षित और सुरक्षित रखने के लिए एक संयुक्त मोर्चा प्रस्तुत करना चाहिए, जैसा कि हमारे उच्चतम न्यायालय ने अपने ऐतिहासिक निर्णय (तमिलनाडु राज्य बनाम तमिलनाडु के राज्यपाल) में बरकरार रखा है। उन्होंने कहा, ''मैं इस महत्वपूर्ण मुद्दे में आपके तत्काल और व्यक्तिगत हस्तक्षेप की आशा करता हूं।'' पश्चिम बंगाल के अलावा, स्टालिन ने कर्नाटक, हिमाचल प्रदेश, तेलंगाना, केरल, झारखंड, पंजाब और जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्रियों को पत्र लिखा है।

बस पलटने से 30 से ज़्यादा यात्री घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। यहां टीएनएसटीसी बस पलटने से 30 से ज़्यादा यात्री मामूली रूप से घायल हो गए। बस जैसे ही 33वें हेयरपिन बेंड पर पहुँची, ड्राइवर ने कथित तौर पर मोड़ पर वाहन पर नियंत्रण खो दिया। रविवार की सुबह 33वें हेयरपिन बेंड पर वालपराई जा रही टीएनएसटीसी बस के पलट जाने से कुल 32 यात्री मामूली रूप से घायल हो गए।

पुलिस ने बताया कि दुर्घटना रविवार को सुबह 3 बजे के आसपास हुई, जब बस 72 यात्रियों को लेकर तिरुपुर से वालपराई जा रही थी। पुलिस के अनुसार, गणेशन टीएनएसटीसी बस चला रहा था, जिसका पंजीकरण नंबर टीएन 38 एन 3930 था और कंडक्टर शिवराजन था। जैसे ही बस 33वें हेयरपिन बेंड पर पहुंची, जो कदमपराई पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में आता है, श्रीगणेशन ने कथित तौर पर मोड़ पर वाहन पर नियंत्रण खो दिया। बस पलट गई और लगभग 15 फीट की गहराई में जा गिरी। चालक गणेशन के सिर पर चोट लगी। 32 यात्रियों को मामूली चोटें आईं। पुलिस और अग्निशमन एवं बचाव सेवा के कर्मचारी मौके पर पहुंचे और यात्रियों को बचाया। घायल यात्रियों को 108 एंबुलेंस में वलपराई के सरकारी अस्पताल ले जाया गया। अन्य को वैकल्पिक बस में वलपराई ले जाया गया।

ड्राइवर ने कथित तौर पर मोड़ पर वाहन पर खो दिया नियंत्रण

रेप्को होम फाइनेंस लि. का समग्र ऋण बढ़ा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। रेप्को होम फाइनेंस लिमिटेड के निदेशक मंडल ने 31 मार्च, 2025 को समाप्त तिमाही और वित्तीय वर्ष के लिए भारतीय लेखा मानकों के अनुसार तैयार किए गए वित्तीय परिणामों को अपनी बैठक में मंजूरी दी।

31 मार्च, 2025 के अंत में समग्र ऋण पुस्तिका 14,492 करोड़ रुपये थी, जबकि एक साल पहले यह 13,513 करोड़ रुपये थी। 31 दिसंबर, 2024 तक -णच् 14,155 करोड़ रुपये था। 31 मार्च, 2025 तक, गैर-वेतनभोगी खंड को दिए गए ऋण बकाया ऋण पुस्तिका का 52प्रतिशत हिस्सा थे और वेतनभोगी खंड के लिए ऋण ऋण पुस्तिका का 48 प्रतिशत हिस्सा था। आवास ऋण का हिस्सा 73 प्रतिशत था, जबकि होम इक्विटी उत्पादों का बकाया ऋण पुस्तिका में 27 प्रतिशत हिस्सा था। कंपनी द्वारा दिए गए ऋणों में से 100 प्रतिशत खुदरा ऋण हैं।

31 मार्च, 2025 तक सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्तियाँ (जीएनपीए) घटकर 473 करोड़ रुपये रह गई हैं, जबकि 31 दिसंबर, 2024 तक यह 546 करोड़ रुपये और 31 मार्च, 2024 तक 552 करोड़ रुपये थी, जो उल्लेखनीय गिरावट दर्शाती है। 31 मार्च, 2025 तक ऋण परिसंपत्तियों में एनएनपीए का हिस्सा 191 करोड़ रुपये था, जबकि 31 दिसंबर, 2024 तक यह 209 करोड़ रुपये था। 31 मार्च, 2024 तक 192 करोड़ रुपये रहा। सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्तियां (जीएनपीए) अनुपात घटकर 3.3 प्रतिशत हो गया है और शुद्ध एनपीए अनुपात 31 मार्च, 2025 तक ऋण परिसंपत्तियों का 1.3 प्रतिशत रहा। यह 31 मार्च, 2024 तक क्रमशः 4.1 प्रतिशत और 1.5 प्रतिशत के मुकाबले है।

इंड एएस के तहत आवश्यक के अनुसार, कंपनी ने कुल ऋण परिसंपत्तियों के 3 प्रतिशत या 433 करोड़ रुपये के अपेक्षित ऋण घाटे के लिए प्रावधान किए हैं। स्टेज-3 परिसंपत्तियों का कवरेज अनुपात 59.67 है।

कोझिकोड बस स्टैंड के पास कपड़ा बाजार में लगी भीषण आग

कोझिकोड/भाषा। केरल के कोझिकोड में सिटी बस स्टैंड के निकट एक 'शॉपिंग कॉम्पलेक्स' में रविवार को शाम करीब पांच बजे भीषण आग लग गई। दमकल एवं बचाव अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि दमकल की कई गाड़ियों के मौके पर होने के बावजूद आग पर काबू नहीं पाया जा सका है। टीवी चैनलों पर आग लगने की घटना के दृश्य दिखाए गए, जिसमें शॉपिंग कॉम्पलेक्स की पहली मंजिल से घना धुआं निकलता हुआ दिखाई दिया। इस कॉम्पलेक्स में कपड़े की कई दुकानें हैं और आग अंदर बहुत तेजी से जल रही है।

अधिकारियों ने बताया कि दमकल की कई गाड़ियों को आग पर काबू पाने की कोशिश करते देखा जा सकता है। करीपुर हवाई अड्डे से भी कई गाड़ियां मौके पर पहुंच गई हैं। घटनास्थल पर मौजूद पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने संवाददाताओं को बताया कि फिलहाल मुख्य प्राथमिकता आग पर काबू पाना है। अग्निशमन विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि अब तक आग में किसी व्यक्ति के घायल होने की कोई जानकारी नहीं है। आग करीब दो घंटे से जल रही है। अधिकारियों ने बताया कि आग लगने का सही कारण उसके पूरी तरह बुझने के बाद ही पता चल पाएगा।

थरूर को सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल में शामिल करने से जुड़े विवाद से कांग्रेस की केरल इकाई ने बनाई दूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोच्चि/भाषा। कांग्रेस की केरल इकाई ने विभिन्न देशों के दौरे पर जा रहे सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने के केंद्र के निमंत्रण को स्वीकार करने संबंधी शशि थरूर के फैसले को लेकर उपजे विवाद से रविवार को दूरी बनाते हुए कहा कि इस मामले पर टिप्पणी पार्टी आलाकमान करेगा। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष वी डी सतीशन ने एक संवाददाता के सवाल का जवाब देते हुए कहा कि थरूर कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) के सदस्य हैं।

उन्होंने यहां परवूर में एक कार्यक्रम से इतर कहा, सीडब्ल्यूसी सदस्य एक महत्वपूर्ण पद है। पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व को इस बारे में अपनी राय व्यक्त करनी चाहिए। उनका जो भी विचार है, हम भी उससे सहमत हैं। हालांकि, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता तिरुवंचूर राधाकृष्णन ने थरूर से कांग्रेस का प्रतिनिधित्व करने वाले संसद सदस्य के रूप में अपनी प्राथमिक जिम्मेदारी को पूरा करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र के पूर्व राजनयिक थरूर अंतरराष्ट्रीय मंचों पर जा सकते हैं, लेकिन केवल पार्टी नेतृत्व की अनुमति से। एक टीवी चैनल से बात करते हुए, राधाकृष्णन ने कहा कि थरूर की दो भूमिकाएं हैं – एक अपने विचारों और संपर्कों वाले अंतरराष्ट्रीय व्यक्ति के रूप में, और दूसरी, कांग्रेस सांसद के रूप में। उन्होंने कहा, स्वाभाविक रूप से, उन्हें पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व को जानकारी देकर मंजूरी लेने के बाद आगे बढ़ना चाहिए। वह अभी भी अंतरराष्ट्रीय क्षेत्र में काम कर सकते हैं, लेकिन इससे उस पार्टी को कम नहीं आंकना चाहिए जिसका वह वर्तमान में प्रतिनिधित्व करते हैं।

यह स्वीकार करते हुए कि थरूर छोटे कद के नेता नहीं हैं, राधाकृष्णन ने कहा कि उन्हें संसदीय दल के सदस्य के रूप में अपने कर्तव्यों को प्राथमिकता देनी चाहिए। उन्होंने कहा कि थरूर कांग्रेस नेतृत्व की मंजूरी से अंतरराष्ट्रीय क्षेत्र में अवसरों की तलाश कर सकते हैं। आतंकवाद को लेकर पाकिस्तान के खिलाफ भारत का रुख सामने रखने के लिए विदेश भेजे जाने वाले एक सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने के केंद्र के निमंत्रण को थरूर ने स्वीकार कर लिया है, जिसके मद्देनजर कांग्रेस नेताओं ने ये प्रतिक्रियाएं दी हैं।

थरूर के फैसले पर इसलिए विवाद पैदा हुआ है कि केंद्र सरकार के अनुरोध पर कांग्रेस की ओर से दिए गए नामों में उनका नाम नहीं था। थरूर ने अपने फैसले का बचाव करते हुए कहा कि उन्हें इस मामले में कोई राजनीति नहीं दिखती। उन्होंने कहा कि केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने विदेश मामलों में उनके पिछले अनुभव को देखते हुए उन्हें प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने के लिए आधिकारिक तौर पर आमंत्रित किया और उन्होंने तुरंत सहमति दे दी। सरकार की ओर से प्रतिनिधिमंडल के लिए चार सांसदों के नाम मांगे जाने के बाद, कांग्रेस ने पूर्व केंद्रीय मंत्री आनंद शर्मा, लोकसभा में पार्टी के उपनेता गौरव गोगोई, राज्यसभा सदस्य सैयद नासिर हुसैन और लोकसभा सदस्य राजा बरार के नाम दिए थे।

विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष सतीशन ने कहा, ईडी अधिकारियों का बड़ा हिस्सा 'भ्रष्ट'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोच्चि/भाषा। केरल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष वीडी सतीशन ने रविवार को आरोप लगाया कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) में बड़ी संख्या में अधिकारी 'भ्रष्ट' हैं और एजेंसी का इस्तेमाल केंद्र के राजनीतिक विरोधियों पर हमला करने के लिए किया जा रहा है। हाल ही में केरल सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (वीएसीबी) द्वारा भ्रष्टाचार के एक मामले में ईडी के एक वरिष्ठ अधिकारी के खिलाफ मामला दर्ज किए जाने को लेकर संवाददाताओं द्वारा पूछे गए सवाल के जवाब में सतीशन ने यह आरोप लगाया।

उन्होंने आरोप लगाया कि ईडी विभिन्न लोगों को नोटिस भेजती है और फिर बिचौलियों का उपयोग कर मामलों को निपटाने के लिए उनसे करोड़ों रुपये ऐंठती है। सतीशन ने कहा, पूरे देश में ईडी के खिलाफ ऐसी शिकायतें हैं। मैं यह नहीं कह रहा कि सभी ईडी अधिकारी भ्रष्ट हैं, लेकिन उनमें से बहुत से लोग भ्रष्ट हैं। यह वह काम नहीं कर रही है, जिसके लिए इसे धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत स्थापित किया गया था। इसके एक प्रतिशत मामले भी हल नहीं हो पाए हैं।

विपक्षी नेता ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''यह लंबे समय से केवल राजनीतिक मामलों को ही संभाल रहा है और केंद्र में सत्तारूढ़ सरकार के विरोधियों के खिलाफ कार्रवाई कर रहा है। इसका इस्तेमाल केंद्र सरकार के राजनीतिक विरोधियों को परेशान करने के लिए किया जा रहा है।'' सतीशन ने उल्लेख किया कि ईडी अधिकारी के खिलाफ हालिया मामला एजेंसी में भ्रष्टाचार का नवीनतम उदाहरण और सबूत है। उन्होंने यह भी दावा किया कि केरल में मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा)- भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) गठजोड़ है, क्योंकि दोनों पक्ष एक-दूसरे के खिलाफ भ्रष्टाचार के विभिन्न मामलों का निपटारा कर रहे हैं।

कोझिकोड में गड़गड़ाहट की तेज आवाज के साथ धरती में कंपन, दहशत में लोग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोझिकोड। उत्तरी कोझिकोड जिले के एक गांव में भूमि में हल्का कंपन होने के साथ बिजली गिरने जैसी गड़गड़ाहट की आवाज आने से दहशत फैल गई। निवासियों ने यह जानकारी दी।

ग्रामीणों के अनुसार शनिवार रात को जमीन में कुछ सेकंड तक कंपन हुआ।

कयाक्कोडी पंचायत के एलिक्कमपारा के निवासियों की शिकायतों के बाद भूविज्ञान विभाग और स्थानीय अधिकारियों ने रविवार को क्षेत्र का निरीक्षण किया। कई निवासी डर के मारे अपने घरों से बाहर निकल आए।

क्षेत्र का दौरा करने वाले नादापुरम के विधायक ई.के. विजयन ने संवाददाताओं से कहा कि चिंता का तत्काल कोई कारण नहीं है, लेकिन सटीक वजह का पता लगाने के लिए एक विशेषज्ञ अध्ययन आवश्यक है। घटनास्थल का निरीक्षण करने वाली जिला भूविज्ञानी सी.एस. मंजू ने कहा कि अभी तक क्षेत्र में भूकंप की कोई आधिकारिक रिपोर्ट नहीं है।

उन्होंने संवाददाताओं से कहा, ऐसा लगता है कि इस समय चिंता की कोई बात नहीं है। जमीन के नीचे हल्का कंपन हुआ होगा।

विस्तृत जानकारी के लिए विशेषज्ञ जांच की आवश्यकता है। मंजू ने कहा कि जिला कलेक्टर के माध्यम से सरकार को एक रिपोर्ट सौंपी जाएगी।

केरल 10वीं कक्षा के सभी छात्रों के लिए रोबोटिक्स शिक्षा अनिवार्य करने वाला पहला राज्य बना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। एक महत्वपूर्ण पहल के तहत 10वीं कक्षा के सभी विद्यार्थियों के लिए रोबोटिक्स की पढ़ाई अनिवार्य करने वाला केरल देश का पहला राज्य बन गया है। यह विषय दो जून से शुरू हो रहे नए शैक्षणिक सत्र में विद्यार्थियों को पढ़ाया जाएगा। एक आधिकारिक बयान में रविवार को कहा गया कि इस बदलाव के तहत, कक्षा 10 की सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) की किताब में 'द वर्ल्ड ऑफ रोबोट्स' नामक अध्याय जोड़ा गया है। इसमें रोबोटिक्स की बुनियादी समझ के बारे में बताया गया है।

केआईटीई (केरल इंफ्रास्ट्रक्चर एंड टेक्नोलॉजी फॉर एजुकेशन) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और आईसीटी पाठ्यपुस्तक समिति के अध्यक्ष के. अनवर सादथ ने एक बयान में कहा कि कक्षा 10 की आईसीटी (सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी) पाठ्यपुस्तक में रोबोटिक्स को शामिल किया गया है। खास तौर पर पहले खंड के छठे अध्याय 'द वर्ल्ड ऑफ रोबोट्स' के जरिए छात्र रोबोटिक्स की बुनियादी समझ को दिलचस्प गतिविधियों के माध्यम से सीखेंगे। केआईटीई केरल सरकार के सामान्य शिक्षा विभाग की तकनीकी शाखा है। इस पहल को प्रभावी रूप से लागू करने के लिए केआईटीई ने राज्य के स्कूलों में पहले ही 29,000 रोबोटिक किट वितरित कर दी हैं।

राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय की कई छात्राएं संदिग्ध खाद्य विषाक्तता की वजह से बीमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल के तिरुवनंतपुरम स्थित एक राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय की कुछ छात्राएं भोजन के दौरान परोसे गए मांसाहारी व्यंजन को खाने के बाद संदिग्ध रूप से भोजन विषाक्तता की वजह से बीमार हो गईं। आधिकारिक सूत्रों ने रविवार को यह जानकारी दी।

चिकित्सा महाविद्यालय के एक अधिकारी ने बताया कि महिला छात्रावास में रहने वाली पांच छात्राओं को अतिसार के इलाज के लिए आपातकालीन विभाग में ले जाया गया।

उन्होंने बताया कि बाद में छात्रावास में रहने वाली छात्राओं से पूछताछ की गई तो जानकारी मिली कि अन्य में भी अतिसार के लक्षण देखे गए लेकिन वे ठीक हो गईं और उन्हें उपचार की आवश्यकता नहीं थी।

भोजन विषाक्तता से पीड़ित होने का दावा करने वाली एक छात्रा ने एक टीवी चैनल को बताया कि उसके छात्रावास के लगभग 80 साथी भी इससे प्रभावित हुए हैं। प्रभारी प्राचार्य डॉ. यू अनुजा ने एक बयान में कहा कि यह पुष्टि नहीं हो सकी है कि छात्र भोजन विषाक्तता के कारण बीमार पड़े हैं या नहीं। उन्होंने आगे कहा कि चिंतित होने की कोई आवश्यकता नहीं है, क्योंकि छात्रों को कोई बड़ी स्वास्थ्य समस्या नहीं है। अनुजा ने यह भी बताया कि छात्रावास में रहने वाले 600 छात्रों में से कई बाहर का खाना खाते हैं, इसलिए यह स्पष्ट नहीं है कि बीमारी छात्रावास का खाना खाने के कारण हुई है या नहीं। अस्पताल के एक अन्य अधिकारी ने बताया कि छात्राओं ने दावा किया है कि 15 मई को छात्रावास में परोसे गए बटर चिकन खाने के बाद वे बीमार पड़ गईं जबकि जिन लोगों ने शाकाहारी भोजन खाया, उनमें कोई लक्षण नहीं दिखे।

देवेगौड़ा 93 वर्ष के हुए, प्रधानमंत्री मोदी, अमित शाह ने दी शुभकामनाएं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जेडीएस के वरिष्ठ नेता और देश के पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौड़ा ने रविवार को अपना 93वां जन्मदिन मनाया। इस अवसर पर उन्होंने तिरुपति स्थित तिरुमाला मंदिर का दौरा किया और भगवान वेंकटेश्वर की विशेष पूजा-अर्चना की। वे सुबह तिरुमाला पहुंचे और टीटीडी अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। इसके बाद उन्होंने भगवान वेंकटेश्वर के दर्शन किए और गौड़ाओं की पूजा-अर्चना की। बाद में, तिरुपति से बेंगलूरु लौटते समय पूर्व प्रधानमंत्रियों, जेडीएस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने राज्य कार्यालय जेपी भवन में उनके जन्मदिन समारोह में भाग लिया। इस अवसर पर उन्होंने एक विशाल केक काटकर जश्न मनाया। जून 1996 से अप्रैल 1997 तक प्रधानमंत्री रहे देवेगौड़ा रविवार को 92 वर्ष के हो गए। गौड़ा का जन्म 18 मई 1933 को हासन जिले के उनके पैतृक गांव हरदनहल्ली में हुआ था। जनता दल (सेक्युलर) के अध्यक्ष गौड़ा 11 दिसंबर 1994 से 31 मई 1996 तक कर्नाटक के मुख्यमंत्री भी रहे।

प्रमुख राष्ट्रीय और राज्य स्तर के नेताओं ने पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने शुभकामनाएं दी हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कामना की, हमारे पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौड़ा को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। उनकी कूटनीति और सार्वजनिक सेवा के लिए उनका व्यापक सम्मान किया जाता है। विभिन्न विषयों पर उनका ज्ञान और अंतर्दृष्टि महान शक्ति का स्रोत है। ईश्वर उन्हें दीर्घायु और स्वस्थ जीवन प्रदान करें।

राज्यपाल थावर चंद गहलोत, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, पूर्व मुख्यमंत्री बी.एस. येडीयुरप्पा, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू, उसी राज्य के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण, केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह, शिवराज सिंह चौहान, प्रह्लाद जोशी, अर्जुन मुंडा, राममोहन नायडू, जतिन राम मांझी, भाजपा राज्य इकाई के अध्यक्ष विजयेन्द्र येडीयुरप्पा और अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने पूर्व प्रधानमंत्री को शुभकामनाएं दी हैं।

इंडियन फार्मा फेयर का 14वां संस्करण 7-8 नवंबर को बेंगलूरु में

बेंगलूरु। देश के फार्मास्युटिकल क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण स्थान रखने वाला इंडियन फार्मा फेयर अपने 14वें संस्करण के साथ 7 और 8 नवंबर को बेंगलूरु में आयोजित होने जा रहा है। इस मेगा इवेंट में 80 से अधिक दवा कंपनियां, मार्केटिंग एजेंसियां, मैन्युफैक्चरर्स और वितरक एक साथ भाग लेंगे।

इस दवा प्रदर्शनी का उद्देश्य फार्मास्युटिकल उद्योग में व्यापारिक अवसरों को बढ़ावा देना, नई तकनीक और उत्पादों को प्रदर्शित करना और विभिन्न स्टेकहोल्डर्स के बीच नेटवर्किंग को सशक्त करना है। प्रदर्शनी में फार्मास्युटिकल, न्यूट्रास्युटिकल, आयुर्वेदिक, हर्बल हेल्थ, वेटरनरी और कॉस्मेटिक उत्पादों से जुड़ी कंपनियां हिस्सा लेंगी।

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया भारत सरकार का उपक्रम Union Bank of India A Government of India undertaking

क्षेत्रीय कार्यालय - कांचीपुरम
नंबर 46 ए, विलाकाडी कोइल स्ट्रीट, रंगास्वामी कुलम लाइब्रेरी के सामने, कांचीपुरम-631501

लीज पर परिसर की जरूरत

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया को थक्कोलम शाखा को स्थानांतरित करने के लिए प्रस्तावित वैकल्पिक परिसर के वास्ते, अच्छी तरह से निर्मित वाणिज्यिक परिसर, जो तैयार कब्जे में संपत्ति/ निर्माणाधीन वाणिज्यिक परिसर / खाली प्लॉट हो जहां छह महीने के भीतर निर्माण किया जाना है, की लीज के आधार पर जरूरत है, जो कि बैंक के विनिर्देशों के अनुसार अधिमानतः भूतल पर हो, जिसका सामने का हिस्सा अच्छा हो, मुख्य सड़क के सामने हो, अच्छी दृश्यता हो और पर्याप्त पार्किंग स्थान हो एवं अन्य सुविधाएं उपलब्ध हों।
मकान मालिक को अपनी लागत पर आरबीआई विनिर्देश के अनुसार स्ट्रॉन्ग रूम का निर्माण कराना होगा। अधिक जानकारी के लिए, कृपया बैंक की वेबसाइट देखें। उपर्युक्त सुविधा वाले परिसर की जरूरत रानीपेट के थक्कोलम और उसके आस-पास है तथा विवरण इस प्रकार है:

शाखा का नाम	कार्पेट एरिया स्ट्रॉन्ग रूम के साथ	बिड प्रारंभ होने की तिथि	प्री बिड बैठक की तिथि	बिड समाप्ति होने की तिथि	बिड खोलने की तिथि
थक्कोलम शाखा (ग्रामीण)	1400 वर्ग फीट (+-10 %)	19.05.2025 को सुबह 10.00 बजे	22.05.2025 को सुबह 11.00 बजे	09.06.2025 को दोपहर 3.00 बजे	09.06.2025 को शाम 4.00 बजे

संभावित मकान मालिक जो स्वामित्व रखते हों या मालिकों की ओर से बातचीत करने की शक्ति रखते हों, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, क्षेत्रीय कार्यालय कांचीपुरम, नंबर 46 ए, विलाकाडी कोइल स्ट्रीट, रंगास्वामी कुलम लाइब्रेरी के सामने, कांचीपुरम-631501 से कार्यालय समय के दौरान तकनीकी बोली/मूल्य बोली प्रारूप प्राप्त कर सकते हैं अथवा वेबसाइट www.unionbankofindia.co.in या https://eprocure.gov.in से डाउनलोड कर सकते हैं और उन्हें अपनी तकनीकी बोलियां और मूल्य बोलियां दो अलग-अलग सीलबंद लिफाफों में तकनीकी/मूल्य बोलियां लिखते हुए तीसरे लिफाफे में रखनी चाहिएं, जिस पर 'लीज/किराए के आधार पर थक्कोलम में यूनियन बैंक ऑफ इंडिया शाखा के लिए परिसर की पेशकश' लिखा होना चाहिए और 09.06.2025 को दोपहर 3.00 बजे तक या उससे पहले यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, क्षेत्रीय कार्यालय नंबर 46 ए, विलाकाडी कोइल स्ट्रीट, रंगास्वामी कुलम लाइब्रेरी के सामने, कांचीपुरम-631501 को प्रस्तुत करना चाहिए। तकनीकी बोलियां 09.06.2025 को4.00 बजे उपर्युक्त पते पर मकान मालिक/उनके प्रतिनिधियों की उपस्थिति में खोली जाएंगी। किसी दलाल या बिचौलिए को अनुमति नहीं है। सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों या सरकारी/अर्ध सरकारी निकायों द्वारा लीज पर दी जाने वाली संपत्ति को प्राथमिकता दी जाएगी। बैंक बिना कोई कारण बताए प्रस्तावों को स्वीकार या अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित रखता है।

क्षेत्र प्रमुख

ज्यादातर इलाकों में भीषण गर्मी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के अधिकतर इलाकों में जारी भीषण गर्मी के बीच राज्य के पूर्वी हिस्से में कई जगह हल्की बारिश हुई। मौसम विभाग ने बताया कि बीते 24 घंटे में पूर्वी राजस्थान में कहीं-कहीं हल्की वर्षा दर्ज की गई। सर्वाधिक 27 मिलीमीटर वर्षा झालरापाटन (झालावाड़) में दर्ज की गई। पश्चिमी राजस्थान भीषण गर्मी की चपेट में है। यहां सर्वाधिक अधिकतम तापमान गंगानगर (46.0 डिग्री सेल्सियस) में दर्ज किया गया जो सामान्य से 3.3 डिग्री अधिक है।

मौसम विभाग के अनुसार, आगामी दो से तीन दिन जोधपुर, बीकानेर संभाग के सीमावर्ती क्षेत्रों में 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से धूल भरी हवाएं चलने का अनुमान है। इसी तरह बीकानेर एवं श्रीगंगानगर जिलों में 20 मई तक अधिकतम तापमान 45-46 डिग्री सेल्सियस दर्ज होने एवं कहीं-कहीं लू चलने और शेष अधिकतर भागों में अधिकतम तापमान 42-44 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। राज्य के उत्तरी भागों में 19 और 20 मई को कुछ स्थानों पर दोपहर बाद हल्की बारिश हो सकती है।

सेफ्टी टैंक ढहने से दो महिलाओं और एक बच्ची की मौत

भरतपुर। राजस्थान में सवाई माधोपुर जिले के खंडार थाना क्षेत्र में शनिवार को सेफ्टी टैंक ढहने से एक बच्ची और दो महिलाओं की मौत हो गयी।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि गोठ बिहारी ग्राम पंचायत के माड़ कुआं मोहल्ले में महेंद्र माली के घर के बाहर बने करीब नौ फीट गहरे सेफ्टी टैंक के ऊपर बैठकर महेंद्र की पत्नी पिंकी देवी (27), उसकी पुत्री रितिका उर्फ टिप्पू (सात) और ताई पंसूरी देवी (55) नहा रही थीं। उसी दौरान अचानक टैंक की पट्टियां टूट गई जिससे तीनों उसमें गिर गई।

तीनों के ऊपर पट्टियां गिरने से उनकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों की मदद से तीनों को बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया जहां चिकित्सक ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मेडिकल बोर्ड से पोस्ट मॉर्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिए गए।

'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद देशवासियों में उत्साह, तिरंगा यात्रा सेना के प्रति सम्मान व्यक्त करने का तरीका : शेखावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद देशभर में आयोजित की जा रही तिरंगा यात्रा को सेना के सम्मान में पूरा देश की एकजुटता करार दिया। रविवार को केंद्रीय मंत्री जोधपुर पहुंचे। उन्होंने मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि पहलगाम की भयावह घटना के बाद प्रधानमंत्री मोदी का संदेश स्पष्ट था कि आतंकवाद के इस क्रूर कृत्य के पीछे हर आतंकी को अकल्पनीय सजा मिलेगी। इसके बाद, वीर भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर चलाया, जिसने भारत के 140 करोड़ लोगों को सेना के प्रति अपार गर्व और सम्मान से भर दिया। सभी जातियों, भाषाओं, वर्गों, क्षेत्रों और राजनीतिक मान्यताओं के लोग भारतीय सशस्त्र बलों का सम्मान करने के लिए एक साथ आए हैं।

उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान ने जिस तरीके से भारत की सीमाओं पर हमला करने का प्रयास किया और जिस तरीके से भारतीय सेना ने मुंहतोड़ जवाब दिया, उसके बाद पाकिस्तान को भारत के सामने घुटने टेकने पड़े। पाकिस्तान ने सीजफायर की मांग की। सीजफायर के लिए डीजीएमओ से संपर्क किया। इन सभी घटनाक्रम के बाद जो भारत को 2014 से पहले की तरह कमजोर समझ रहे थे, उन्हें अब भारतीय सैन्य शक्ति का आभास हो गया। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद 140 करोड़ लोग भारी उत्साह के साथ लबरेज हैं। इसी के तहत देशभर में तिरंगा यात्रा का आगाज हो रहा है। तिरंगा यात्रा में शामिल होकर लोग अपनी ओर से सेना के प्रति सम्मान व्यक्त कर रहे हैं। जोधपुर में तिरंगा यात्रा आयोजित की जा रही है। मुझे विश्वास है कि यह तिरंगा यात्रा ऐतिहासिक होगी।

गजेंद्र सिंह शेखावत ने पीएम मोदी के राजस्थान दौरे पर कहा कि पीएम मोदी का यह दौरा सिर्फ राजस्थान के लिए नहीं बल्कि पूरे देश को संदेश देने का काम करेगा। पीएम अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत 100 से अधिक स्टेशनों का उद्घाटन करेंगे। पीएम मोदी अपने दौरे के दौरान सेना के रिटायर कर्मचारियों से बातचीत करेंगे।

गर्मी से राहत

जयपुर में रविवार को चिलचिलाती गर्मी से राहत पाने के लिए गलता जी कुंड के पानी में ठंडक लेते हुए लड़के।

शिक्षा के क्षेत्र में सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है सरकार : दिलावर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। शिक्षा (विद्यालयी/संस्कृत) एवं पंचायती राज विभाग मंत्री मदन दिलावर ने कहा है कि वर्तमान राजस्थान सरकार शिक्षा के क्षेत्र में सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध होकर कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री की मंशा के अनुसार राज्य सरकार द्वारा संवेदनशीलता के साथ प्रदेश में शिक्षा के क्षेत्र में उन्नति के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं और विद्यार्थियों को समुचित सुविधाएं उपलब्ध करवाई जा रही हैं। दिलावर रविवार को शिवप्रसाद शाह चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा ज्ञान संकल्प योजना के तहत श्रीगंगानगर जिले में नव निर्मित राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय नंबर 11 के नवनिर्मित भवन लोकार्पण के पश्चात आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे।

शिक्षा मंत्री ने ट्रस्ट द्वारा निर्मित विद्यालय का उल्लेख करते हुए कहा कि इसमें 14 कमरे बनाये गए हैं, जिनका लाभ विद्यार्थियों को मिलेगा। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के संकल्प 'सबको शिक्षा मिले' को दोहराते हुए उन्होंने कहा कि बोर्ड परीक्षा में निजी व राजकीय विद्यालयों का परिणाम समान रहा है। यह सरकार की मंशा और संकल्प का प्रतिबिंब है।

राज्य सरकार द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे विभिन्न कार्यों और योजनाओं का उल्लेख करते हुए दिलावर ने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री के नेतृत्व में शिक्षा के क्षेत्र में सम्पूर्ण सुविधाएं उपलब्ध करवाई जा रही हैं। इसी के तहत विभागीय अधिकारियों को महीने में 4 दिन गांवों में रात्रि विश्राम करने के निर्देश दिए गए हैं ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में कोई समस्या नहीं आए। कम परीक्षा परिणाम देने वाले शिक्षकों और अनुशासनहीनता करने वालों पर कार्रवाई का उल्लेख करते हुए शिक्षा मंत्री ने कहा कि विद्यालय समय का उपयोग शैक्षणिक कार्यों में किया जाए। अन्य गतिविधियों में ध्यान न देकर विद्यार्थियों के विकास के लिये कार्य किये जायें।

रीटोटलिंग की जगह रीचेकिंग व्यवस्था प्रभावी करने का जिक्र करते हुए शिक्षा मंत्री ने कहा कि पेपर लीक नहीं हो, इसके लिए राज्य सरकार द्वारा समुचित व्यवस्थाएं की जा रही हैं। इसके परिणाम भी सामने आये हैं, सरकार के प्रति युवाओं का भरोसा ओर मजबूत हुआ है। उन्होंने कहा कि शहरी क्षेत्रों के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी समुचित साफ-सफाई के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया गया है। लापरवाही करने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। सफाई के लिए बीएसआर रेट तय करने वाला राजस्थान देश का पहला राज्य है। इसके बेहतर परिणाम सामने आएंगे। उन्होंने हाथ उठाकर उपस्थितजनों को पॉलीथिन का उपयोग नहीं करने, गंदगी से दूर रहने और सफाई अपनाने का संकल्प दिलाया।

उन्होंने कहा कि राजकीय विद्यालयों में बालक-बालिकाओं के लिए अलग-अलग शौचालय बनाये जाएंगे। विद्यार्थियों के स्वास्थ्य के लिए भी सरकार प्रयासरत है। विद्यार्थियों के स्वास्थ्य की जांच कर उन्हें समुचित उपचार दिया जाएगा। 10 लाख साइकिलें, 76 लाख टैबलेट और बड़ी संख्या में स्कूटियां विद्यार्थियों में वितरित की गई हैं। उन्होंने शिक्षकों और अभिभावकों से बच्चों के सामने आदर्श उदाहरण प्रस्तुत करने का आह्वान करते हुए कहा कि पंचायती राज संस्थाओं में विभागीय कार्रवाई लिखने के बाद उपस्थितजनों के हस्ताक्षर करवाने के निर्देश दिए गए हैं। पौधारोपण के लिए शिक्षा और पंचायती राज विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों को आवश्यक रूप से निर्देश देते हुए शिक्षा मंत्री ने कहा कि सब मिलकर नियमित रूप से पौधारोपण कर उनकी सार-संभाल करेंगे तो पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा। कार्यक्रम में पूर्व केंद्रीय मंत्री निहालचंद ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत विश्व की मजबूत अर्थव्यवस्था बन रहा है। शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य सहित विभिन्न क्षेत्रों में निरंतर प्रगति हो रही है। ऑपरेशन सिंदूर का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि 22 मई को बीकानेर आगमन पर प्रधानमंत्री का स्वागत-अभिनदंन करने के लिए अधिकाधिक संख्या में पहुंचें।

कार्यक्रम को श्रीयादे माटी कला बोर्ड अध्यक्ष प्रहलाद राय टाक, श्रीगंगानगर विधायक जयदीप बिहाणी, सादुलशहर विधायक गुरवीर सिंह बराड़ सहित अन्य वक्ताओं ने भी संबोधित किया। इस दौरान ट्रस्ट अध्यक्ष शाह ने नवनिर्मित विद्यालय की चाबियों का कलश शिक्षा मंत्री और शिक्षा मंत्री ने विभागीय अधिकारियों को सौंपा।

दीया कुमारी ने रंगरीत कला महोत्सव में देखा पारम्परिक चित्रकला का लालित्य

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने रविवार को यहां रंगरीत कला महोत्सव में पारम्परिक चित्रकला का लालित्य को देखा और पेंटिंग्स के रूप में प्राकृतिक रंगों से साकार हुई कृतियों को सराहा और कलाकारों की हौसला अफजाई की। राजधानी जयपुर में जवाहर कला केंद्र की ओर से रंगरीत संस्थान के सहयोग से गत दो मई से आयोजित रंगरीत कला महोत्सव का रविवार को समापन हुआ और इसके आखिरी दिन सुदीया कुमारी प्रदर्शनी में शरीक होकर वैदिक चित्रकार रामू रामदेव के संयोजन में हुए महोत्सव में पारम्परिक चित्रकला का लालित्य को देखा और कलाकारों की हौसला अफजाई की। इस दौरान केंद्र की अतिरिक्त महानिदेशक अलका मीणा, वरिष्ठ लेखाधिकारी बिंदु भोभरिया एवं अन्य प्रशासनिक अधिकारी तथा बड़ी संख्या में कलाकार एवं कला प्रेमी मौजूद थे।

अलंकार दीर्घा में प्रवेश करते ही उपमुख्यमंत्री ने माँ सरस्वती के चरणों में नमन कर दीप प्रज्ज्वलित किया। उन्होंने रंगों से कैनवास पर चित्र भी बनाया। उन्होंने चित्रकार समदर सिंह खंगारोत, गोविन्द रामदेव,रामू रामदेव, बीकानेर के महावीर स्वामी, जयपुर के सुधीर वर्मा, उदयपुर के शैल चोयल, अजमेर के राम जायसवाल, दिल्ली की सुमित्रा अहलावत, उदयपुर के मनदीप शर्मा तथा जयपुर के विक्रम सिंह राठौड़ एवं अन्य कलाकारों की पेंटिंग्स का अवलोकन किया और प्राकृतिक रंगों की भी जानकारी ली। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि जवाहर कला केंद्र के प्रयास से रंगरीत महोत्सव का सफल आयोजन हुआ। इसके लिए जवाहर कला केंद्र, रंगरीत संस्थान और संयोजक रामू रामदेव धन्यवाद के पात्र है। महोत्सव में युवाओं ने कला गुरुओं से पारम्परिक कलाओं के गुर सीखे। राजस्थान में जेकेके जैसा केंद्र बहुत जरूरी है जहां कलाकारों को मंच मिल सके। इस तरह के आयोजन भविष्य में भी किये जाएंगे जिससे हमारी पारम्परिक कलाओं को संरक्षण मिल सके और नयी पीढ़ी तक ये कलाएं पहुंच सके। उन्होंने यह भी कहा कि जेकेके को ऐसे केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा जहां क्षेत्रीय कलाकारों के साथ-साथ देशभर के कलाकार, दस्तकार अपनी पारम्परिक कलाओं को सीख सके और उनका प्रदर्शन यहां कर सके। एडीजी अलका मीणा ने कहा कि गत दो से 18 मई तक रंगरीत महोत्सव का आयोजन किया गया। पारम्परिक कलाओं के संरक्षण और संवर्धन के उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी के विज़न के साथ यह सफल आयोजन हुआ। यहां वरिष्ठ कला गुरुओं के निर्देशन में युवाओं ने पारम्परिक चित्रकला को जाना।

श्रीगंगानगर में बनेगा राजस्थान का पहला स्काउट गाइड का एडवेंचर पार्क : दिलावर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीगंगानगर। श्रीगंगानगर में राजस्थान का पहला स्काउट गाइड का एडवेंचर पार्क बनेगा। प्रदेश के शिक्षा और पंचायती राज मंत्री और हिंदुस्तान स्काउट गाइड के प्रदेशाध्यक्ष मदन दिलावर ने रविवार को यहां हिंदुस्तान स्काउट गाइड जिला मुख्यालय में विधायक कोटे से बनने वाले हॉल का भूमि पूजन किया और इस मौके यह घोषणा की। दिलावर ने अपने सम्बोधन में स्काउट गाइड की प्रशंसा करते हुए कहा कि स्काउट गाइड हर परिस्थिति में तैयार रहते हैं। उन्होंने मौजूद लोगों से प्लास्टिक का प्रयोग बंद करने की अपील की और कहा कि प्लास्टिक के कारण पर्यावरण और स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ता है। इस मौके पर भयंकर गर्मी के मौसम में बेजुबान पक्षियों के लिए परिंडे लगाने और अधिक से अधिक पेड़ लगाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम के दौरान मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी गिरजेश कांत शर्मा एवं जिला शिक्षा अधिकारी अरविंदर सिंह आदि मौजूद थे। इससे पहले दिलावर का जिला मुख्यालय पहुंचने पर श्रीगंगानगर विधायक और जिलाध्यक्ष जयदीप बिहानी, राज्य संगठन आयुक्त रिपुदमन सिंह गिल और सहायक राज्य संगठन आयुक्त साहिल यादव के नेतृत्व में राजस्थानी पगड़ी और साफा पहनाकर स्वागत किया गया।

सड़क हादसे में चार लोगों की मौत

जयपुर। राजस्थान के डूंगरपुर जिले में शनिवार देर रात एक सड़क हादसे में चार लोगों की मौत हो गई और कई अन्य लोग घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह दुर्घटना साबला थाना क्षेत्र में हुई। उसने बताया कि शादी समारोह से लौट रहे एक परिवार की जीप दुर्घटनाग्रस्त हो गई जिसके कारण उसमें सवार कुछ लोगों को मामूली चोटें लगीं। पुलिस ने बताया कि जीप में सवार लोग घायल हुए अपने परिजन को एम्बुलेंस में बैठा रहे थे लेकिन तभी तेज रफ्तार ट्रक उन्हें टक्कर मारता हुआ पलट गया जिससे चार लोगों की मौत हो गई। साबला के थानाधिकारी रघुवीर सिंह ने बताया कि यह घटना रात करीब साढ़े 11 बजे हुई।

'नारी तू नारायणी ऑपरेशन सिंदूर विजय भवः' विषय पर वर्क महिला शाखा की प्रेस वार्ता का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। वर्ल्ड ऑर्गनाइजेशन ऑफ रिलीजन एंड नॉलेज(वर्क) जयपुर की महिला शाखा द्वारा नारी तू नारायणी ऑपरेशन सिंदूर विजय भव: के नाम से एक प्रेस वार्ता का आयोजन ध्रुव मार्ग तिलक नगर में किया गया।जिसमें वर्क की महिला - पुरुष के साथ साथ अन्य क्षेत्र में विभिन्न ओहदों पर कार्यरत महिलाओं ने भाग लिया। वर्क महिला हेड आलिया रहमान ने बताया कि हमारे देश की वीरांगनाओं एवं सेना द्वारा साहस एवं शौर्य का प्रदर्शन करते हुए पाकिस्तान को उसी की धरती में घुस कर सबक सिखाने का जो औजपूर्ण कार्य किया गया है वो हमारे लिए गौरव का क्षण है।और हमको इस गौरव का एहसास होना चाहिए।वर्क एक्जीक्यूटिव लुबना फिरदौस ने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर एक महत्वपूर्ण सैन्य अभियान था जिसका उद्देश्य पाकिस्तान के साथ तनाव के बीच सीमावर्ती क्षेत्रों में सुरक्षा सुनिश्चित करना और आतंकवादी गतिविधियों को रोकना था। इस ऑपरेशन के तहत भारतीय सेना ने कई महत्वपूर्ण कदम उठाए,जिसमें आतंकवादियों के खिलाफ सर्जिकल स्ट्राइक शामिल थे।वर्क प्रवक्ता सैयद असगर अली ने बताया कि भारतीय वायुसेना ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान के भीतर आतंकवादी ठिकानों पर सटीक हमले किए, जिसमें बहावलपुर, मुरिदके, गुलपुर, भिंबर, चक अमरू, बाग, कोटली, सियालकोट और मुज़फ़्फ़राबाद शामिल थे।अली के अनुसार ये अभूतपूर्व युद्ध था जिसमें वायु रक्षा प्रणाली की परीक्षा थी ये बंदूकों,हथगोलों से नहीं अपितु ड्रोन एवं मिसाइल से लड़ा गया।भारतीय वायुसेना ने नूर खान और रहीमयार खान हवाई अड्डों पर हमले किए, जिससे पाकिस्तान की सैन्य क्षमताओं को नुकसान पहुंचा।

भारतीय वायु रक्षा प्रणाली ने सभी पाकिस्तानी मिसाइलों और ड्रोन हमलों को नाकाम किया, जिससे कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ।वर्क हेड लाइक हसन ने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद, भारतीय सेना ने अपनी ताकत और रणनीतिक क्षमता का प्रदर्शन किया, जिससे पाकिस्तान को युद्ध विराम के लिए मजबूर होना पड़ा।कार्यक्रम में डॉक्टर तसनीम, जियाउर्हमान,डॉक्टर मलिका,रुबीना तबस्सुम, जॉन्टी भाई,यूसुफ खान, शाहिद खान, राशिद खान, इरशान अहमद, नाजनीन, शरफुद्दीन,गुलफाम साहब इत्यादि ने भाग लिया।

सादगी

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार देर शाम बीकानेर में डूंगर कॉलेज के निकट स्थित थड़ी पर चाय का स्वाद लिया। इस दौरान मुख्यमंत्री की सादगी देखकर लोग अभिभूत हो गए। शर्मा ने आम आदमी की तरह कुल्लड़ चाय पी और आमजन के साथ आत्मीयता से बात की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने बेटियों को आशीर्वाद दिया। साथ ही शर्मा ने बेटियों को पढ़ने की सीख दी और चॉकलेट भी भेंट की।

कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने आईएसआई के निमंत्रण पर पाकिस्तान का दौरा किया था: हिमंत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के निमंत्रण पर पाकिस्तान का दौरा किया था और उन्होंने पड़ोसी देश के प्रतिष्ठान के साथ करीब से काम किया था।

शर्मा ने यहां एक आधिकारिक कार्यक्रम के मौके पर पत्रकारों से कहा कि सरकार के पास इस दावे के समर्थन में दस्तावेजी सबूत हैं और उचित सत्यापन के बाद ''हर सबूत 10 सितंबर तक जनता के सामने पेश किया जाएगा''। उन्होंने दावा किया, ''गौरव गोगोई आईएसआई के निमंत्रण पर पाकिस्तान गए थे। मैं यह पहली बार कह रहा हूं। हमारे पास इसके दस्तावेज हैं। वह पर्यटन के उद्देश्य से नहीं गए थे। वह निश्चित रूप से प्रशिक्षण लेने के लिए वहां गए थे।''

शर्मा ने कहा कि लोकसभा में कांग्रेस के उपनेता पाकिस्तान सरकार के सीधे निमंत्रण पर वहां गए थे और यह खतरनाक था। उन्होंने कहा, ''...वह पाकिस्तानी प्रतिष्ठान के साथ करीब से काम कर रहे थे। गृह विभाग कब निमंत्रण भेजता है? यह केवल प्रशिक्षण देने के लिए होता है।'' शर्मा ने कहा, ''विदेश मामलों (विभाग) या किसी विवि से आमंत्रण मिलना अलग बात है। यह विदेश मामलों या सांस्कृतिक विभागों से नहीं था। वह पाकिस्तान के गृह विभाग के सीधे निमंत्रण पर वहां गए थे।'' सरकार के पास गोगोई के कृत्यों के सबूत हैं और इससे बचने का कोई रास्ता नहीं है। उन्होंने कहा, ''उनके सारे रास्ते बंद हो चुके हैं। हमने सबूत देख लिए हैं। बस हमें कागजात हासिल करने के लिए सितंबर तक का समय चाहिए। हमें एक नोटिस जमा करना होगा और फिर दूतावास हमें दस्तावेज उपलब्ध करायेगा। दस सितंबर अंतिम तारीख है और कृपया उस समय तक इस बारे में फिर से न पूछें।''

असम के मुख्यमंत्री ने नगालैंड के साथ सीमा संबंधी मुद्दों की समीक्षा की

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने नगालैंड के साथ लगती राज्य की सीमा से संबंधित मुद्दों की समीक्षा की और सीमा के पास शांति बनाए रखने पर जोर दिया। मुख्यमंत्री ने नगालैंड की सीमा से लगे क्षेत्रों में सद्भाव और प्रगति सुनिश्चित करने के लिए सार्थक बातचीत पर भी जोर दिया। मुख्यमंत्री कार्यालय ने कहा कि उन्होंने शनिवार को उच्चस्तरीय बैठक में असम-नगालैंड सीमा संबंधी मुद्दों की समीक्षा की। उन्होंने बैठक के दौरान निरंतर शांति, आपसी सहयोग और सार्थक संवाद के महत्व को रेखांकित किया। शर्मा ने कहा, ''असम आर्थिक सहयोग और स्थायी सद्भाव के ढांचे को आगे बढ़ाते हुए नगालैंड के साथ अपने ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंधों को संरक्षित करने के लिए दृढ़ता से प्रतिबद्ध है।''

शुभेंदु ने मालदा में 'सनातनी' समुदाय के लोगों पर हमले का आरोप लगाया, पुलिस ने खारिज किया

कोलकाता/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता शुभेंदु अधिकारी ने रविवार को आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल में मालदा जिले के रतुआ में मंदिर निर्माण को लेकर 'सनातनी' समुदाय के लोगों पर हमला किया गया, उनकी दुकानों को लूट लिया गया और वाहनों में तोड़फोड़ की गई।

पश्चिम बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, एक बार फिर, रात (शनिवार) की पवित्रता मालदा जिले के रतुआ में बिखर गई है, क्योंकि सनातनी समुदाय को कट्टरपंथी चरमपंथी तत्वों के हमलों का लगातार सामना करना पड़ रहा है। उनका एकमात्र दोष एक मंदिर का निर्माण करना था।

अधिकारी ने कहा कि बदमाशों ने समुदाय को निशाना बनाया, अंधाधुंध पथराव किया जिससे इलाका भय और विनाश के युद्धक्षेत्र में बदल गया। उन्होंने कहा कि नवीनतम रिपोर्टें पुष्टि करती हैं कि न केवल घरों को निशाना बनाया गया है, बल्कि कई दुकानों में लूटपाट की गई और सनातनी समुदाय के वाहनों को भी तोड़ दिया गया। अधिकारी ने कहा कि सड़कों पर बिखरे मलबे और टूटी हुई चीजों के अवशेषों से पता चलता है कि किस तरह से इन हमलों को अंजाम दिया गया। भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि पुलिस इन घटनाओं के दौरान स्पष्ट रूप से अनुपस्थित रही।

पूर्व केंद्रीय मंत्री आरसीपी सिंह बिहार में जन सुराज पार्टी में शामिल हुए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। पूर्व केंद्रीय मंत्री आर सी पी सिंह बिहार में इस साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले रविवार को प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी में शामिल हो गए।

सिंह ने अपनी पार्टी 'आप सबकी आवाज' का जन सुराज में विलय करने की भी घोषणा की। पूर्व नौकरशाह सिंह ने महज छह महीने पहले ही खुद की पार्टी बनाई थी।

किशोर और सिंह, दोनों ही मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से अलग होने से पहले जनता दल (यूनाइटेड) में थे।

पूर्व चुनावी रणनीतिकार किशोर, 2020 में जद(यू) से निष्कासित किये जाने से पहले नीतीश नीत पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष थे।

वहीं, बिहार के मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव के रूप में सेवा दे चुके सिंह जद(यू) में कई प्रमुख संगठनात्मक पदों पर रहे थे और यहां तक कि संक्षिप्त अवधि के लिए इसका नेतृत्व भी किया।

हालांकि, सिंह के केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल होने से नीतीश के साथ उनके संबंधों में खटास आ गई, जिन्होंने पूर्व नौकरशाह पर उनकी मंजूरी के बिना केंद्र में मंत्री पद स्वीकार करने का आरोप लगाया था।

सिंह 2023 में जद(यू) छोड़कर भाजपा में शामिल हो गए थे। उन्होंने यहां एक कार्यक्रम में कहा, ''हम दोनों बिहार को एक विकसित राज्य बनाने के लिए मिलकर काम करेंगे।''

किशोर ने संवाददाताओं से कहा, आरसीपी सिंह उस राजनीतिक गठबंधन का हिस्सा थे जिसने 2015 में नीतीश कुमार और लालू प्रसाद के बीच गठजोड़ का मार्ग प्रशस्त किया था। 2015 में जो हुआ, वही अब आगामी विधानसभा चुनावों में जन सुराज पार्टी दोहराएगी।

उन्होंने कहा कि बिहार के लोग अब ऐसी सरकार के हकदार हैं जो राज्य के समग्र विकास के लिए काम करे।

असम : 'देशविरोधी' गतिविधियों में संलिप्त तीन और लोग पकड़े गए

गुवाहाटी/भाषा। असम में कथित तौर पर राष्ट्र विरोधी गतिविधियों में संलिप्त लोगों के खिलाफ की जा रही कार्रवाई के तहत तीन और लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इसी के साथ 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद राज्य में ऐसी गिरफ्तारियों की कुल संख्या 68 हो गई है। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि किसी को भी छोड़ा नहीं जाएगा। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर जारी पोस्ट में 'राष्ट्र विरोधियों के खिलाफ कार्रवाई' की अद्यतन जानकारी देते हुए बताया, '' श्रीभूमि पुलिस ने अब्दुल हुसैन और रोजिद अहमद को गिरफ्तार किया है। एक अन्य इमरान हुसैन को बारपेटा पुलिस ने गिरफ्तार किया है।''

शर्मा ने बताया कि अब तक कुल 68 गिरफ्तारियां हो चुकी हैं। राज्य पुलिस 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद से सोशल मीडिया पर पोस्ट सहित 'भारत विरोधी' और 'पाकिस्तान समर्थक' गतिविधियों के लिए लोगों के खिलाफ कार्रवाई कर रही है। इस हमले में 26 लोग मारे गए थे। राष्ट्रविरोधी गतिविधियों के आरोप में गिरफ्तार लोगों में विपक्षी ऑल इंडिया डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआईयूडीएफ) विधायक अमीनुल इस्लाम भी शामिल हैं।

कोविड से हुई मौत के आंकड़ों में 'अंतर' को लेकर कांग्रेस ने साधा सरकार पर निशाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने कोविड-19 से हुई मौतों के आधिकारिक आंकड़ों और नागरिक पंजीकरण प्रणाली के आंकड़ों के बीच कथित अंतर को लेकर रविवार को केंद्र पर निशाना साधते हुए कहा कि इस सरकार से यह उम्मीद करना ज्यादा होगा कि वह अपने असंवेदनशील और मूर्खतापूर्ण निर्णयों पर कोई पछतावा या शर्म प्रकट करेगी, लेकिन जब इतिहास लिखा जाएगा तो इस घृणित कृत्य को अवश्य दर्ज किया जाएगा।

कांग्रेस महासचिव व संचार प्रभारी जयराम रमेश ने कहा कि पांच साल से ज्यादा समय पहले दुनिया कोविड-19 से तहस-नहस हो गई थी। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, उसी समय यह साफ हो गया था कि भारत ने इस महामारी की वजह से ऐसी तबाही देखी है जैसी हमने एक सदी से भी अधिक समय में नहीं देखी थी। रमेश ने आरोप लगाया कि प्रवासी मजदूरों के संकट से लेकर वैक्सीन की बनावटी कमी तक, सामूहिक मौतों और ऑक्सीजन की भारी कमी से लेकर प्रधानमंत्री की बंगाल में चुनावी प्रचार करने की जिद तक- महामारी के दौरान मोदी सरकार की सबसे क्रूर और अमानवीय हरकतें देखने को मिली। उन्होंने कहा, हमें हमेशा से यह पता था कि सरकार ने कोविड-19 से हुई मौतों को सुनियोजित तरीके से कम करके बताया है, लेकिन अब यह सामने आया है कि सिर्फ 2021 में पूरे भारत में 20 लाख अतिरिक्त मौतें हुईं।

कांग्रेस महासचिव ने कहा, इनमें से अधिकतर मौतें कोविड-19 महामारी की वजह से हुई। और यह 20 लाख का अनुमान आधिकारिक रूप से दर्ज की गई 3.3 लाख मौतों से लगभग छह गुना अधिक है। उन्होंने नागरिक पंजीकरण प्रणाली डेटा का हवाला देते हुए एक ग्राफ भी साझा किया।

रमेश ने दावा किया कि कोविड महामारी से हुई मौतों की संख्या को कम करके दिखाने में प्रधानमंत्री का गृह राज्य गुजरात अव्वल रहा - वहां गुजरात सरकार द्वारा स्वीकार की गई संख्या से 33 गुना अधिक मौतें दर्ज की गईं। उन्होंने कहा, इस सरकार से यह उम्मीद करना बहुत ज्यादा होगा कि वह अपने असंवेदनशील और मूर्खतापूर्ण निर्णयों पर कोई पछतावा या शर्म प्रकट करेगी -लेकिन जब इतिहास लिखा जाएगा, तो इस घृणित कृत्य को अवश्य दर्ज किया जाएगा। इस महीने की शुरुआत में, आधिकारिक सूत्रों ने कहा था कि 2020-2021 के लिए भारत में कुल मृत्यु दर अपेक्षित मौतों से 9.3 प्रतिशत अधिक थी। यह आंकड़ा अमेरिका, इटली और रूस से कम था।

आतंकी हमलों को रोका जाना चाहिए : मायावती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की प्रमुख मायावती ने रविवार को सरकार से आग्रह किया कि वह यह सुनिश्चित करे कि देश में आतंकवादी हमले दोबारा न हों, ताकि प्रशासन बेरोजगारी और महंगाई से जूझ रहे लोगों की दुर्दशा को कम करने पर ध्यान केंद्रित कर सके।

उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री ने यहां बसपा समन्वयकों की अखिल भारतीय बैठक में सरकार के इस रुख का भी समर्थन किया कि पाकिस्तान की ओर से 'परमाणु ब्लैकमेल' को भारत बर्दाश्त नहीं करेगा।

मायावती ने कहा कि भविष्य में आतंकवादी हमलों को रोकने के अलावा, उन आपराधिक, जातिवादी और सांप्रदायिक तत्वों पर लगाम लगाने की जरूरत है जो अपनी संकीर्ण मानसिकता, घृणास्पद और जहरीली भाषा तथा कार्यों से देश के शांतिपूर्ण माहौल को प्रदूषित करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि आतंकवादी घटनाएं विकास में बाधा बनती हैं, इसलिए केंद्र सरकार की जिम्मेदारी है कि वह आतंकवादी हमलों को रोकने के लिए उचित कदम उठाए।

बसपा की ओर से जारी बयान के अनुसार, मायावती ने कहा कि 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद लोगों द्वारा प्रदर्शित एकता से सशस्त्र बलों को पाकिस्तान को उसकी भाषा में जवाब देने में मदद मिली।

पहलगाम आतंकी हमले में 26 लोग मारे गए थे। उन्होंने कहा कि बसपा की वर्दीधारी 'बहुजन वालंटियर फोर्स' (बीवीएफ) को नए सिरे से संगठित किया जाना चाहिए और देश भर में पार्टी कार्यक्रमों में व्यवस्था तथा अनुशासन बनाए रखने के लिए पहले की तरह इसका इस्तेमाल किया जाना चाहिए।

बसपा नेता ने सरकार से यह भी आग्रह किया कि वह यह सुनिश्चित करे कि भगवान बुद्ध और बी आर अंबेडकर की प्रतिमाओं को क्षतिग्रस्त करके सामाजिक कलह पैदा करने के प्रयासों को विफल किया जाए। उन्होंने ऐसी घटनाओं में शामिल लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की भी मांग की।

ओडिशा के यूट्यूबर और 'पाक जासूस' ज्योति मल्होत्रा के बीच संबंधों की जांच जारी : पुलिस

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा पुलिस ने पुरी के रहने वाले यूट्यूबर और ज्योति मल्होत्रा के बीच कथित संबंधों की जांच शुरू कर दी है, जिसे पाकिस्तानी खुफिया एजेंटों को संवेदनशील जानकारी देने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी।

पुरी के पुलिस अधीक्षक (एसपी) विनीत अग्रवाल ने बताया कि पुलिस को जानकारी मिली है कि 'ट्रैवल विद जेओ' नामक यूट्यूब चैनल संचालित करने वाली हरियाणा के हिसार की निवासी मल्होत्रा सितंबर 2024 में जब पुरी आई थी तब यहां की एक महिला यूट्यूबर से संपर्क किया था। ज्योति मल्होत्रा के यूट्यूब चैनल और इंस्टाग्राम अकाउंट पर क्रमशः 3.77 लाख सब्सक्राइबर और 1.33 लाख फॉलोअर्स हैं। वह कथित तौर पर दिल्ली में पाकिस्तान उच्चायोग में काम करने वाले एक पाकिस्तानी कर्मचारी के संपर्क में थी। पाकिस्तानी उच्चायोग के उक्त अधिकारी को 13 मई को भारत ने कथित तौर पर जासूसी में संलिप्त होने के कारण निष्कासित कर दिया गया था। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि पुरी की महिला हाल ही में पाकिस्तान स्थित करतारपुर साहिब गुरुद्वारा भी गई थी। अग्रवाल ने कहा, ''हमें जानकारी मिली है कि ज्योति मल्होत्रा ने पिछले साल पुरी की यात्रा की थी और हम इस तथ्य की पुष्टि कर रहे हैं। सत्यापन के बाद ही कुछ और जानकारी साझा की जा सकेगी।''

दीघा जगन्नाथ मंदिर में विदेशी पर्यटकों की दिलचस्पी बढ़ी: इस्कॉन

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल के पुरी में नवनिर्मित जगन्नाथ मंदिर विदेशी पर्यटकों को आकर्षित कर रहा है। इन विदेशी पर्यटकों में इस्कॉन के भक्त प्रमुख हैं, जो जल्द ही मंदिर की यात्रा कर सकते हैं। कोलकाता-इस्कॉन के उपाध्यक्ष राधारमण दास ने कहा कि दीघा मंदिर उन विदेशियों के लिए वरदान बन कर आया है, जिन्हें पुरी स्थित 12वीं शताब्दी के प्रसिद्ध जगन्नाथ मंदिर में प्रवेश की अनुमति नहीं है। अंतरराष्ट्रीय कृष्ण भावनामृत संघ (इस्कॉन) दीघा मंदिर का प्रबंधन कर रहा है, जो पड़ोसी राज्य ओडिशा के पुरी स्थित जगन्नाथ मंदिर की प्रतिकृति है। इस्कॉन-कोलकाता के प्रवक्ता दास ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, '' विभिन्न देशों से बड़ी संख्या में विदेशी श्रद्धालु आ रहे हैं। मंदिर के उद्घाटन के दौरान दुनिया भर से करीब 150 देशों के लोग मौजूद थे।''

नदियों के नाम पर कई बार ठग चुकी भाजपा को समाजवादियों से 'ट्यूशन' लेनी चाहिये : अखिलेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर 'नमामि गंगे' का 'जुमला' देने का आरोप लगाते हुए रविवार को कहा कि नदियों के नाम से कई बार ठग चुकी भाजपा को समाजवादियों से नदी की सफाई की 'ट्यूशन' लेनी चाहिये।

उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने यहां एक बयान में कहा कि भाजपा सरकार ने नदियों की सफाई का वादा किया था लेकिन उसे पूरा नहीं किया और नदियों की सफाई के नाम पर बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार हुआ है।

यादव ने अपनी सरकार में शुरू हुई गोमती रिवरफ्रंट योजना का जिक्र करते हुए कहा, ''नदियों की सफाई के लिए समाजवादी सरकार में किये जा रहे कार्यों को भाजपा सरकार ने रोक दिया। भाजपा सरकार ने समाजवादी सरकार में हुए गोमती रिवरफ्रंट के कार्य को भी पूरा नहीं होने दिया। समाजवादी सरकार ने गोमती नदी पर विश्वस्तरीय रिवरफ्रंट बनाकर नदियों की सफाई के लिए एक उदाहरण प्रस्तुत किया था कि इसी तरह से प्रदेश की अन्य नदियां भी साफ हो सकती हैं। भाजपा सरकार ने गंगा नदी की सफाई को लेकर बड़े-बड़े वादे किये लेकिन 10 साल की सरकार में मां गंगा की सफाई नहीं हो पाई।'' उन्होंने यमुना नदी की सफाई का जिक्र करते हुए कहा, ''भाजपा ने नदियों के नाम से कई बार ठगा है। 'नमामि गंगे' का जुमला बहकर न जाने कहां चला गया है और अब यमुना की सफ़ाई के नाम पर यमुना नदी का 'जंतु और पादप' जीवन ही भाजपाई जुमला बनकर रह गया है।''

सपा अध्यक्ष ने सलाह देते हुए कहा, ''भाजपाई चाहें तो समाजवादियों से नदी की सफ़ाई की ट्यूशन ले सकते हैं। समाजवादी पार्टी की सरकार के समय हुए गोमती रिवरफ्रंट की स्वच्छता और सौंदर्यीकरण के उदाहरण को समझने के लिए समाजवादियों को बुलाकर 'गेस्ट लेक्चर' आयोजित कर निःशुल्क सीख भी ले सकते हैं।''पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, ''नदी जीवन देती है, किसी का जीवन लेती नहीं है। अब यमुना पर सिर्फ़ सियासत होगी या नदी की सफ़ाई की जगह केवल फंड का सफाया होगा?

निजी विश्वविद्यालय से बड़ी संख्या में फर्जी अंकपत्र और डिग्रियां बरामद, चेयरमैन समेत कई हिरासत में

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हापुड़/भाषा। उत्तर प्रदेश पुलिस के विशेष कार्यबल (एसटीएफ) ने हापुड़ जिले में एक निजी विश्वविद्यालय में छापेमारी कर बड़ी संख्या में फर्जी अंकपत्र और डिग्रियां बरामद कीं। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, एसटीएफ टीम ने महत्वपूर्ण दस्तावेज, कंप्यूटर और अन्य सामान जब्त कर विश्वविद्यालय के चेयरमैन विजेंद्र सिंह हुड्डा समेत कई कर्मचारियों को हिरासत में ले लिया।

पुलिस ने बताया कि एसटीएफ की टीम ने शनिवार देर शाम पिलखुवा स्थित मोनाड विश्वविद्यालय पहुंचकर कंप्यूटर और दस्तावेज जब्त कर लिये और संस्थान के मालिक और कर्मचारियों से पूछताछ की। पुलिस के मुताबिक, हिरासत में लिए गए लोगों में विश्वविद्यालय के चेयरमैन विजेंद्र सिंह हुड्डा, कर्मचारी कमल बत्रा, इमरान, गौरव, मुकेश ठाकुर, एनके सिंघल, विपुल चौधरी, अभिषेक पांडे शामिल हैं। सूत्रों ने बताया कि बच्चों ने पीएचडी और अन्य डिग्रियां न दिए जाने की भी शिकायत की और जांच करीब पांच घंटे तक चली।

'बांग्लादेशी घुसपैठियों की पहचान करके उन्हें झारखंड से वापस भेजने को विशेष बल गठित करे सरकार'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता एवं झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन ने रविवार को हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाली राज्य सरकार से बांग्लादेशी घुसपैठियों की पहचान करके उन्हें राज्य से निर्वासित करने के लिए एक विशेष कार्य बल बनाने का आग्रह किया।

चंपई सोरेन ने दावा किया कि बांग्लादेशी घुसपैठ के कारण झारखंड की जनसांख्यिकी तेजी से बदल रही है, जो आदिवासी समुदायों के अस्तित्व के लिए खतरा है। चंपई सोरेन ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा, मैं देश में अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों के खिलाफ लड़ाई में निर्णायक कदम उठाने के लिए केंद्र सरकार को धन्यवाद देता हूं। अब, मैं राज्य सरकार से झारखंड से बांग्लादेशी घुसपैठियों की पहचान करके उन्हें निर्वासित करने के लिए एक कार्य बल गठित करने का आग्रह करता हूं। उन्होंने दावा किया कि राज्य, विशेष रूप से आदिवासी बहुल संथाल परगना और कोल्हान क्षेत्रों की जनसांख्यिकी 'घुसपैठियों के कारण बदल रही है'।

मणिपुर में 350 से अधिक उग्रवादी गिरफ्तार, जबरन वसूली रैकेट में थे शामिल

इंफाल/नई दिल्ली/भाषा। मणिपुर में सुरक्षाबलों ने जबरन वसूली करने वाले गिरोहों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करते हुए 350 से अधिक उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी।

इन लोगों में मुख्य रूप से घाटी के निवासी हैं और ये वैवाहिक विवादों के समाधान तथा सरकारी निविदाओं में हिस्सा मांगने के लिए वसूली रैकेट चलाते थे। इन विद्रोहियों को इस साल फरवरी के मध्य में राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू होने के बाद पकड़ा गया। राज्यपाल के प्रशासन द्वारा जनता को स्पष्ट निर्देश जारी किया कि वे किसी भी जबरन वसूली के प्रयास की सूचना पुलिस को दें, अन्यथा उग्रवादियों की सहायता करने पर कानूनी परिणाम भुगतने के लिए तैयार रहें।

खेल मंत्री मांडविया ने खेलो इंडिया योजना के तहत कई खेलों की शुरुआत की घोषणा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने रविवार को खेलो इंडिया पहल के दायरे को व्यापक बनाने की घोषणा की जिसमें इस साल से स्कूली खेल, मार्शल आर्ट, तटीय खेल और 'वाटर स्पोर्ट्स' शामिल होंगे।

खेलो इंडिया का वार्षिक कैलेंडर लॉन्च करते हुए मांडविया ने कहा कि सरकार जल्द ही खेलो इंडिया खेलों और अन्य प्रतियोगिताओं की एक श्रृंखला शुरू करेगी जिसमें खेलो इंडिया 'नॉर्थ-ईस्ट गेम्स' भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि इसका उद्देश्य भारत के खेल पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करना, जमीनी स्तर पर प्रतियोगिताओं को बढ़ावा देना और प्रतिभाओं की पहचान के लिए साल भर के लिए रणनीतिक कार्यक्रम प्रदान करना है। मांडविया ने कहा, ''खेलो इंडिया वार्षिक कैलेंडर केवल एक कार्यक्रम नहीं है, बल्कि यह भारत को वैश्विक खेल महाशक्ति में बदलने के लिए भारत की घरेलू प्रतियोगिता संरचना को मजबूत करने वाला एक रणनीतिक खाका है। '' उन्होंने कहा, ''पिछले एक दशक में भारतीय खेलों में उल्लेखनीय परिवर्तन आया है। हमने खेलो इंडिया पहल के तहत नियमित राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के साथ एक गतिशील और समावेशी खेल पारिस्थितिकी तंत्र बनाया है। '' मांडविया ने कहा, ''हम जल्द ही खेलो इंडिया 'बीच गेम्स' (केआईबीजी), खेलो इंडिया स्कूल गेम्स (केआईएसजी), खेलो इंडिया 'वाटर स्पोर्ट्स', खेलो इंडिया 'नॉर्थ-ईस्ट गेम्स' आदि की शुरुआत करेंगे। '' उन्होंने कहा कि ये टूर्नामेंट भारत की युवा प्रतिभाओं की पहचान करने, उन्हें निखारने और तैयार करने में अहम होंगे।

खेलो इंडिया मंच में पहले से ही चार राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता शामिल हैं जिसमें खेलो इंडिया युवा खेल, खेलो इंडिया विश्वविद्यालय खेल, खेलो इंडिया पैरा खेल और खेलो इंडिया शीतकालिन खेल शामिल हैं।

क्रिकेटर खुद के बारे में जान कर अपनी क्षमता का अधिकतम लाभ उठा सकते हैं: द्रविड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पूर्व भारतीय कप्तान और मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने पेशेवर तौर पर क्रिकेट से जुड़ने की चाह रखने वाले लोगों को सफलता के लिए खुद को परख कर अपनी पूरी क्षमता का उपयोग करने की सलाह दी।

कोच के तौर पर भारत को टी-20 विश्व चैंपियन बनाने के बाद मौजूदा सत्र में आईपीएल फ्रेंचाइजी राजस्थान रॉयल्स के साथ काम कर रहे द्रविड़ ने ' जियो हॉटस्टार' के 'हल्ला बोल' के एपिसोड में कहा, '' क्रिकेट में अच्छा होना और सिर्फ क्रिकेट का अभ्यास करना निश्चित रूप से आपको कुछ सफलता दिलायेगा। मैंने हालांकि जिन अच्छे और महान खिलाड़ियों के साथ काम किया है या ड्रेसिंग रूम साझा किया है उनमें एक चीज सामान्य देखी है, वह यह है कि वे वास्तव में अपनी क्षमता के बारे में जानते थे।'' टेस्ट क्रिकेट में द्रविड़ भारत के लिए दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी है। उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि अगर आप एक व्यक्ति के तौर पर खुद को पहचानते हैं और विकसित होते रहते हैं, तो आपके पास क्षमता को अधिकतम करने का सबसे अच्छा मौका होता है।'' द्रविड़ ने स्पष्ट किया कि वह तुलना में विश्वास नहीं करते। द्रविड़ ने कहा, ''यह व्यक्तिगत मामला है, आप खुद को दूसरे लोगों के साथ आंक नहीं सकते, खुद की तुलना दूसरे लोगों से नहीं कर सकते। आपका काम खुद से और आपको जो कौशल मिले हैं, उनसे सर्वश्रेष्ठ प्राप्त करना है।''

सुविचार

व्यक्ति को अधिक ईमानदार नहीं होना चाहिए। सीधे पेड़ पहले काटे जाते हैं और ईमानदार लोगों पर पहले शिकंजा कसा जाता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

डिजिटल जासूसी नेटवर्क

भारत में रहकर पाकिस्तान के लिए जासूसी करने वालों पर की जा रहीं ताबड़तोड़ कार्रवाइयों से पता चलता है कि हमारी खुफिया एजेंसियां बहुत सतर्क हैं। उन्होंने 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत आतंकियों के ठिकानों का पता लगाकर उनकी सटीक सूचना दी थी, जिससे भारतीय सशस्त्र बलों को बड़ी कामयाबी मिली। अब उन लोगों पर शिकंजा कसा जाना स्वागत योग्य है, जो यहां रहकर पाकिस्तान की मदद कर रहे थे। उनमें हरियाणा की एक मशहूर यूट्यूबर की गिरफ्तारी चौंकाती है। जिसके वीडियो पर लाखों व्यूज आते थे, जिसे देशभर से इतनी सराहना मिलती थी, वह युवती पाकिस्तान के लिए काम कर रही थी! क्या पाक की कुख्यात खुफिया एजेंसी आईएसआई भारत में अपना जासूसी नेटवर्क बढ़ाने के लिए सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसरों को मोहरा बना रही है? क्या आईएसआई इन इन्फ्लूएंसरों का इस्तेमाल कर जासूसी के नए तौर-तरीके ढूंढ़ रही है? उक्त महिला यूट्यूबर के अन्य वीडियो पर व्यूज सामान्य थे, लेकिन इसने जैसे ही 'पाकिस्तान यात्रा' के वीडियो डालने शुरू किए, व्यूज में एकदम उछाल आया। एक वीडियो पर तो 10 लाख से ज्यादा व्यूज आए हैं। इसने पाकिस्तान की अच्छी छवि पेश करने की कोशिश की थी। क्या हिंसक और आतंकी छवि वाला यह पड़ोसी देश अब भारतीय सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसरों के जरिए खुद को अच्छा दिखाना चाहता है, ताकि उसके यहां पर्यटन में बढ़ोतरी हो? प्राय: यह देखने में आता है कि कुछ भारतीय नागरिक पाकिस्तान से लौटने के बाद इस बात की बड़ी तारीफ करते हैं कि वहां उनसे किसी ने खाने के रुपए नहीं लिए। वे इसका ऐसे बखान करते हैं, गोया पाकिस्तान ने मुफ्त खाना खिलाकर उन पर बड़ा एहसान कर दिया!

भारत में तो रोजाना कितने ही भंडारे और लंगर चलते हैं। वहां किसी से पहचान नहीं पूछी जाती और सबको मुफ्त खाना खिलाया जाता है! ये कार्य सेवा और श्रद्धा की भावना से किए जाते हैं। पाकिस्तान में किसी भारतीय पर्यटक को मुफ्त खाना इसलिए खिलाया जाता है, ताकि वह साठ रुपए की थाली खाए और अपने देश जाकर लाखों रुपए का प्रचार करे। यहां पाक का स्वार्थ है। भारतीय इस जाल में बहुत आसानी से फंस जाते हैं। कुछ साल पहले एक बॉलीवुड अभिनेत्री ने पाकिस्तान जाकर किसी कार्यक्रम में बयान दिया था कि 'मैं कसम खाकर कह रही हूं कि लाहौर के सामने लंदन, न्यूयॉर्क सब फेल हैं'। उसे पाकिस्तान आज तक भुना रहा है। अगर पाकिस्तान इतना ही मानवतावादी देश है तो वहां अल्पसंख्यक 3 प्रतिशत से भी कम क्यों रह गए? यह पड़ोसी देश प्रसिद्धि की लालसा रखने वाले लोगों को थोड़ा-सा लालच देकर अपना स्वार्थ सिद्ध करना चाहता है। उसके लिए सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसरों के वेश में अपने एजेंट भर्ती करना बड़ा आसान है। पहले, उसे भारत में विभिन्न जगहों की तस्वीरें लेने के लिए अपने लोगों को भेजना होता था। इस काम में बहुत जोखिम था। किसी स्थानीय सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसर को यह ज़िम्मा सौंप देने से काम बहुत आसानी से हो सकता है। ऐसे लोगों पर किसी को शक भी नहीं होता। पाकिस्तान में कोरोना काल में कई इन्फ्लूएंसर रातोंरात प्रकट हुए थे। उनका एक ही काम होता था- 'भारत की खूब तारीफ करना।' वे लाहौर, इस्लामाबाद, कराची जैसे शहरों में रहते हुए ही बहुत शातिर ढंग से भारत से सूचनाएं ले लेते थे। इसके लिए खुद स्थानीय बाजार में जाते और विभिन्न चीजों के भाव पूछते। उसके बाद भारत में अपने किसी फॉलोअर से कहते कि आप भी बाज़ार जाएं और चीजों के भाव पूछें। इस दौरान भारतीय फॉलोअर अपने इलाके से जुड़ीं कई बातें अनजाने में ही बता देता था। ऐसी सूचना का इस्तेमाल आतंकी घटना को अंजाम देने के लिए किया जा सकता है। आखिरकार भारत सरकार ने उन चैनलों पर प्रतिबंध लगा दिया। अब खासकर उन भारतीय यूट्यूब चैनलों की सख्ती से जांच की जानी चाहिए, जिन पर हाल में पाकिस्तान की शान में कसीदे पढ़े गए थे। दुश्मन का डिजिटल जासूसी नेटवर्क फैले, इससे पहले ही उसे नष्ट कर देना चाहिए।

ट्वीटर टॉक

डूंगरपुर के पिंडावल हिलावड़ी गांव में हुए भीषण सड़क हादसे में जनहानि का समाचार अत्यंत पीड़ादायक है। मैं दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना करती हूं और शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करती हूं।

-दीया कुमारी

जोधपुर में तिरंगा यात्रा से पूर्व भारत माता के वीर सपूतों का कृतज्ञतापूर्वक स्मरण करते हुए शहीद स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की। परमवीर चक्र विजेता मेजर शैतान सिंह जी और वैसे ही पराक्रमी मेजर दलपत सिंह देवली जी की प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित किए।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

माननीय उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ जी को जन्मदिवस की मंगलमयी शुभकामनाएँ। लोकतांत्रिक मूल्यों के सुदृढ़ीकरण एवं राष्ट्र निर्माण में आपका योगदान अनुकरणीय है। ईश्वर से प्रार्थना है कि आपको उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु एवं निरंतर ऊर्जा प्रदान करें।

-ओम बिरला

प्रेरक प्रसंग

फौलादी हौसला

यह बात 1921 के उस दौर की है, जब देश स्वतंत्रता आंदोलन की ज्वाला में जल रहा था। चारों ओर अंग्रेजी शासन का कहर था और देश के युवा आजादी की लड़ाई में कूद पड़े थे। एक अदालत में सुभाषचंद्र बोस को पेश किया गया। अंग्रेज न्यायाधीश ने कठोर स्वर में पूछा, 'तुम्हारा नाम?' सुभाष ने निर्भीक होकर उत्तर दिया, 'देशप्रेम।' 'पिता का नाम?' 'स्वाधीनता।' 'क्या करते हो?' 'ब्रिटिश शासन की जड़ों को उखाड़ने का काम।' न्यायाधीश चौंक गया। इतनी निर्भीकता उसने पहले कभी नहीं देखी थी। क्रोधित होकर उसने कहा, 'तुम्हें छह महीने की सजा दी जाती है।' सुभाष मुस्कराए और बोले, 'सिर्फ छह महीने? क्या मैं अंग्रेजी हुकूमत को हिला देने की इतनी छोटी सजा का ही हकदार हूं?' उनके इस उत्तर से पूरी अदालत में सन्नाटा छा गया और ब्रिटिश सत्ता की नींव हिलती-सी महसूस हुई।

सामयिक

जरूरी है तुर्किए को कड़ा संदेश देना

डॉ. आशीष वशिष्ठ
मोबाइल : 9451005200

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को 26 निर्दोष हिन्दू पर्यटकों की नृशंस हत्या के उत्तर में शुरू ऑपरेशन सिंदूर पाक समर्थित आतंकवाद पर निर्णायक प्रहार बन गया। चार दिल चले ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान की सारी हेकड़ी निकल गई, और वो सीजफायर की भिक्षा मांगने लगा। भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर अवश्य हो गया है, लेकिन ऑपरेशन सिंदूर के बीच तुर्की खासा सुर्खियों में रहा और उसका पाकिस्तान प्रेम खुलकर सामने आ गया।

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान चीन, तुर्किए और अजरबैजान का वास्तविक चेहरा अखिल विश्व के समक्ष अनावृत हो गया। पाकिस्तान ने इस दौरान भारत पर जो ड्रोन और मिसाइल दागे वो 'मेड इन' चाइना और तुर्किए में बने थे। पाकिस्तान ने जो चीन की निकृष्ट मिसाइल और तुर्किए के ड्रोन भारत पर हमले में प्रयोग किये, उनके अवशेष सैन्य बलों के पास हैं। चीन और तुर्किए अब इन प्रमाणों को नकार नहीं सकता है।

सीजफायर के बाद पाकिस्तान के मित्र तुर्किए के विरुद्ध भारत में विरोध शुरू हो गया है और सोशल प्लेटफार्म पर बॉयकाट तुर्की मुहिम जोर पकड़ने लगी है। भारतीय टूरिस्ट तुर्किये और अजरबैजान का बॉयकॉट कर रहे हैं। मोदी सरकार ने भी तुर्की को सबक सिखाने के लिए कदम उठाने शुरू कर दिये हैं। लेकिन जिस तरह देशवासियों ने स्वत: तुर्की और अजरबैजान का बॉयकॉट करने की मुहिम छेड़ी है, उसकी जितनी प्रशंसा की जाए, वो कम है। भारतीय नागरिकों के इस भाव का प्रभाव तुर्किए के अरबों डॉलर के व्यापार पर पड़ने वाला है।

तुर्किये 'एहसान फरामोशी' का सबसे कलंकित उदाहरण हो सकता है। जब फरवरी, 2023 में तुर्किए में 7.8 तीव्रता का भूकंप आया था, लगभग चालीस हजार लोग मारे गए थे, इमारतें 'मिट्टी-मलबा' हो गई थीं, तब भारत ने मदद का पहला हाथ बढ़ाया था। भारत ने भूकंप के अलावा भी तुर्किये की कई बार सहायता की है, लेकिन जब मौका आया तो उसने कृतघ्नता ही दिखाई और भारत के शत्रु के पक्ष में खड़ा हो गया। 2009 में तुर्किये ने पहली नैनो सैटेलाइट आईटीयूपीसेट-1 बनाई, जिसे स्पेस में नई टेक्नोलॉजी पर रिसर्च करना, पृथ्वी की तस्वीरें लेना और आंकड़ा एकत्र करने के लिए भेजा जाना था। इस लॉन्च में भारत ने तुर्किये की मदद की थी। इस सबके उपरांत तुर्किये सदैव पाकिस्तान का समर्थन करता रहा है।

तुर्किये ने 2019 में भारत के धारा 370 हटाने का भी विरोध किया था। इसके बाद से लगातार तुर्किये यूनाइटेड नेशन जनरल असेंबली यानी यूएनजीए में कश्मीर का मुद्दा उठाता आया है। पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में 6-7 मई की रात भारत ने ऑपरेशन सिंदूर लॉन्च किया, तो तुर्किये खुलकर पाकिस्तान के साथ दिखा। कई मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि तुर्किये ने पाकिस्तान को करीब 350 ड्रोन और उन्हें चलाने के लिए ऑपरेटर भेजे। 4 मई को तुर्किये ने नौसेना का युद्धपोत टीसीजी बुयुकडा (एफ-512) पूरे बेड़े के साथ पाकिस्तान के कराची पोर्ट पर भेज दिया। तुर्किए ने पाकिस्तान के पहलगाम हमले की अंतरराष्ट्रीय जांच की अनुशंसा का भी समर्थन किया। 10 मई को सीजफायर के बाद शहबाज शरीफ ने एर्दोगन को मदद करने के लिए शुक्रिया अदा किया।

तुर्किए के पाकिस्तान का साथ देने के बाद भारतीय पर्यटकों ने धड़ाधड़ तुर्की की यात्राएं कैंसिल करवानी शुरू कर दी है। भारतीय पर्यटकों को आज की तारीख में सिर्फ एक आम ट्रैवलर मानना बहुत बड़ी गलती है। क्योंकि ग्लोबल टूरिज्म इंडस्ट्री के लिए भारतीय पर्यटक एक आर्थिक स्तंभ बन चुके हैं। साल 2023 में भारतीय पर्यटकों ने दुनिया के अलग अलग हिस्सों में घूमने में 18 अरब डॉलर से ज्यादा खर्च किए। ऐसे में अगर भारतीय पर्यटक किसी देश का बहिष्कार करते हैं तो वो सिर्फ एक सोशल मीडिया पर चलाया गया ट्रेंड नहीं होता है, बल्कि एक भूकंप होता है।

पिछले साल जनवरी में मालदीव के कुछ मंत्रियों ने प्रधानमंत्री मोदी के लक्षद्वीप दौरे के दौरान अभद्र भाषा का प्रयोग किया था। जिसके बाद भारत और मालदीव के बीच विवाद काफी बढ़ गया। भारतीय पर्यटकों ने मालदीव का बहिष्कार शुरू कर दिया, जिसने कुछ ही समय में मालदीव के नेताओं को घुटने टेकने के लिए विवश कर दिया। मालदीव की अर्थव्यवस्था, जिसमें टूरिज्म सेक्टर का 28 प्रतिशत योगदान है, उसे गहरा धक्का लगा था, लिहाजा अब बारी तुर्की की है।

पिछले कुछ सालों में भारी संख्या में भारतीय पर्यटकों ने घुमने के लिए तुर्की को चुना है। साल 2023 में करीब 2.74 लाख भारतीय नागरिक घूमने के लिए तुर्की गये थे। जबकि 2024 में तुर्की जाने वाले भारतीय पर्यटकों का ये आंकड़ा बढ़कर करीब 3.5 लाख पहुंच गया। भारतीय लोगों के बीच शादी करने, हनीमून मनाने और फैमिली ट्रिप्स के लिए तुर्की तेजी से लोकप्रिय हो रहा था। लेकिन 2025 में तुर्की ने पाकिस्तान का समर्थन करके भारतीयों को अपने विरुद्ध कर लिया है। इसके अलावा भारत जैसे देशों के पर्यटकों का बहिष्कार सिर्फ आर्थिक नहीं, राजनीतिक संदेश भी होता है।

पर्यटन के अलावा भारतीय बाजारों में तुर्की से आयातित सेब की बिक्री पर भी प्रभाव पड़ा है। भारतीय कारोबारियों ने अब ईरान, अमेरिका और न्यूजीलैंड से सेब खरीदना शुरू कर दिया है। सेब उत्पादन करने वाला संघ, जो पहले से ही विदेशों से मंगाए जाने वाले सेब की वजह से नाराज रहता था और तुर्की के सेब पर प्रतिबंध लगाने की मांग करता रहता था, वो अब प्रसन्न है। इस वित्त वर्ष में तुर्की से 1 लाख 60 हजार टन सेब खरीदे गये थे।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, भारत तुर्की के साथ व्यापारिक संबंध समाप्त करने की तैयारी मे। भारत तुर्की से दाल, तिलहन और स्टील जैसी चीजें खरीदता है। दोनों देशों के बीच व्यापार को 20 अरब डॉलर तक ले जाने की योजना थी। लेकिन अब बदले वातावरण में यह संबंध पूर्णत समाप्त हो सकते हैं। 15 मई केंद्र सरकार ने तुर्किये की कंपनी सेलेबी एविएशन की सुरक्षा मंजूरी रद्द कर दी। यह दिल्ली, मुंबई और बेंगलुरु सहित प्रमुख भारतीय हवाई अड्डों पर हाई सिक्योरिटी ऑपरेशन संभालती है। भारत के प्रतिष्ठित शिक्षा संस्थानों ने भी तुर्की से एकेडमिक समझौते रद्द कर दिये हैं। इनमें जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी यानी जेएनयू, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, आईआईटी रुड़की, शारदा विश्वविद्यालय और लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी शामिल हैं।

भारत सरकार ने व्यापार के अलावा कूटनीति के मोर्चे पर भी तुर्किये को बड़ा सबक सिखाने का मन बना लिया है। तुर्किये को सबक सिखाने के लिए भारत उसके अंदर के मुद्दों को बाहर लाएगा। तुर्किये में लगातार बढ़ रही मानवाधिकार हनन की घटनाओं को भारत यूनाइटेड नेशन्स के समक्ष रख सकता है। इसके अलावा 'साइप्रस का मुद्दा' तुर्किये की सबसे बड़ी कमजोरी बन चुका है। तुर्किए और साइप्रस के बीच की जंग दशकों पुरानी है, इसके बावजूद तुर्किये इसे समाप्त नहीं कर पा रहा। भारत इस मुद्दे के सहारे तुर्किये को सबक सिखा सकता है। येन-केन-प्रकारेण, तुर्किये ने इस्लामी देशों का खलीफा' बनने की भ्रांति पाल रखी है, इसलिए उसकी हेकड़ी तोड़ना अत्यावश्यक है।

तुर्किए को सबक सिखाना इसलिए भी अहम है क्योंकि अखिल विश्व को यह संदेश देना चाहिए कि भारत के शत्रु का जो भी साथ देगा, उसे भारत शत्रु की श्रेणी में ही रखेगा। व्यापार, हानि-लाभ और कूटनीति अपने स्थान पर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शब्दों में कहा जाए तो हमारे दिल में 'नेशन फर्स्ट' का भाव सर्वोच्च होना चाहिए। केवल तुर्किए ही नहीं, हमें हर उस देश और व्यक्ति का बॉयकॉट करना चाहिए या हमारे भीतर शत्रु बोध होना चाहिए, जो हमारे देश के प्रति शत्रुता रखता हो, शत्रुता का भाव और विचार रखता हो और जो हमारे शत्रु से मित्रता निभाता हो।

बोध कथा

आखिर में यह भी नहीं रहेगा

एक साधु देश में यात्रा के लिए पैदल निकला हुआ था। एक बार रात हो जाने पर वह एक गाँव में आनंद नाम के व्यक्ति के दरवाजे पर रुका। आनंद ने साधु की खूब सेवा की। दूसरे दिन आनंद ने बहुत सारे उपहार देकर साधु को विदा किया। साधु ने आनंद के लिए प्रार्थना की भगवान करे तू दिनों दिन बढ़ता ही रहे। साधु की बात सुनकर आनंद हँस पड़ा और बोला अरे, महात्मा जी! जो है यह भी नहीं रहने वाला। साधु आनंद की ओर देखता रह गया और वहाँ से चला गया। दो वर्ष बाद साधु फिर आनंद के घर गया और देखा कि सारा वैभव समाप्त हो गया है। पता चला कि आनंद अब बगल के गाँव में एक जमींदार के यहाँ नौकरी करता है। साधु आनंद से मिलने गया।

आनंद ने अभाव में भी साधु का स्वागत किया। झोंपड़ी में फटी चटाई पर बिठाया। खाने के लिए सूखी रोटी दी। दूसरे दिन जाते समय साधु की आँखों में आँसू थे। साधु कहने लगा हे भगवान ! ये तूने क्या किया? आनंद पुन: हँस पड़ा और बोला महाराज आप क्यों दु:खी हो रहे है? महापुरुषों ने कहा है कि भगवान इन्सान को जिस हाल में रखे, इन्सान को उसका धन्यवाद करके खुश रहना चाहिए। समय सदा बदलता रहता है और सुनो! यह भी नहीं रहने वाला। साधु मन ही मन सोचने लगा मैं तो केवल भेष से साधु हूँ। सच्चा साधु तो तू ही है, आनंद। कुछ वर्ष बाद साधु फिर यात्रा पर निकला और आनंद

से मिला तो देखकर हैरान रह गया कि आनंद तो अब जमींदारों का जमींदार बन गया है। मालूम हुआ कि जिस जमींदार के यहाँ आनंद नौकरी करता था वह सन्तान विहीन था, मरते समय अपनी सारी जायदाद आनंद को दे गया।

साधु ने आनंद से कहा अच्छा हुआ, वो जमाना गुजर गया। भगवान करे अब तू ऐसा ही बना रहे। यह सुनकर आनंद फिर हँस पड़ा और कहने लगा महाराज! अभी भी आपकी नादानी बनी हुई है। साधु ने पूछा क्या यह भी नहीं रहने वाला? आनंद उत्तर दिया हाँ! या तो यह चला जाएगा या फिर इसको अपना मानने वाला ही चला जाएगा। कुछ भी रहने वाला नहीं है और अगर शाश्वत कुछ है तो वह है परमात्मा और उस परमात्मा की वंश आत्मा। आनंद की बात को साधु ने गौर से सुना और चला गया।

साधु कई साल बाद फिर लौटता है तो देखता है कि आनंद का महल तो है किन्तू कबूतर उसमें गुटरगूं कर रहे हैं, और आनंद का देहांत हो गया है। बेटियाँ अपने-अपने घर चली गयीं, बूढ़ी पत्नी कोने में पड़ी है। साधु कहता है अरे इन्सान! तू किस बात का अभिमान करता है? क्यों इतराता है? यहाँ कुछ भी टिकने वाला नहीं है, दु:ख या सुख कुछ भी सदा नहीं रहता। तू सोचता है पड़ोसी मुसीबत में है और मैं मौज में हूँ। लेकिन सुन, न मौज रहेगी और न ही मुसीबत। सदा तो उसको जानने वाला ही रहेगा। सच्चे इन्सान वे हैं, जो हर हाल में खुश रहते हैं। मिल गया माल तो उस माल में खुश रहते हैं, और हो गये बेहाल तो उस हाल में खुश रहते हैं। साधु कहने लगा धन्य है आनंद! तेरा सत्संग, और धन्य हैं तुम्हारे सतगुरु! मैं तो झूठा साधु हूँ, असली फकीरी तो तेरी जिन्दगी है। अब मैं तेरी तस्वीर देखना चाहता हूँ, कुछ फूल चढ़ाकर दुआ तो मांग लूं। साधु दूसरे कमरे में जाता है तो देखता है कि आनंद ने अपनी तस्वीर पर लिखवा रखा है आखिर में यह भी नहीं रहेगा।

नजरिया

सिन्दूर : अब श्रृंगार ही नहीं, शौर्य का प्रतीक

प्रियंका सौरभ
मोबाइल : 7015375570

सिन्दूर, जो प्राचीन काल से भारतीय नारी के वैवाहिक जीवन का प्रतीक रहा है, आज एक नए अर्थ में उभर रहा है। यह केवल सुहाग का प्रतीक नहीं, बल्कि नारी शक्ति, साहस और स्वाभिमान का प्रतीक बनता जा रहा है। यह बदलाव केवल एक सांस्कृतिक परिवर्तन नहीं, बल्कि एक सामाजिक क्रांति का संकेत है। भारतीय समाज में सिन्दूर का स्थान अत्यंत पवित्र माना जाता है। यह न केवल पति की लंबी उम्र की कामना है, बल्कि पति-पत्नी के बीच के अटूट बंधन का प्रतीक भी है। लेकिन बदलते समय के साथ, सिन्दूर अब केवल एक पारंपरिक श्रृंगार का हिस्सा नहीं रह गया है। यह आज की नारी की स्वतंत्रता, स्वाभिमान और साहस का भी प्रतीक बन चुका है।

प्राचीन ग्रंथों में सिन्दूर को सौभाग्य, प्रेम और आस्था का प्रतीक माना गया है। लेकिन जब हम इतिहास के पन्नों में झांकते हैं, तो हमें ऐसे कई उदाहरण मिलते हैं जहां सिन्दूर केवल श्रृंगार नहीं, बल्कि शौर्य और बलिदान का प्रतीक भी बना। रानी लक्ष्मीबाई, रानी दुर्गावती, पद्मावती जैसी वीरांगनाओं ने अपने सिन्दूर की लाज के लिए तलवार उठाई, अपने प्राणों की आहुति दी। ये उदाहरण दिखाते हैं कि सिन्दूर केवल सौंदर्य का नहीं, बल्कि स्वाभिमान और आत्मबल का प्रतीक भी है। आज की नारी भी इसी भावना से ओतप्रोत है। वह केवल एक पत्नी, मां या बहू तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज की रीढ़ है। वह हर क्षेत्र में अपना

परचम लहरा रही है - चाहे वह खेल का मैदान हो, युद्ध का मैदान हो, या फिर राजनीति की गूंज। मिताली राज, मेरी कॉम, नीरज चोपड़ा जैसी खिलाड़ियों ने सिन्दूर के प्रतीक को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है। उनकी सफलता की कहानियां हमें यह सिखाती हैं कि सिन्दूर न केवल परिवार का सम्मान है, बल्कि आत्मसम्मान का प्रतीक भी है।

इस भावना को हाल ही में 'ऑपरेशन सिंदूर' ने भी बल दिया, जिसमें वियोमिका और सोफिया जैसी बहादुर महिलाओं ने अपने साहस और संघर्ष से यह साबित किया कि सिन्दूर केवल श्रृंगार नहीं, बल्कि अदम्य साहस का प्रतीक है। इन वीरांगनाओं ने न केवल अपने कर्तव्य का निर्वाह किया, बल्कि समाज की धारणाओं को भी चुनौती दी। यह परिवर्तन केवल महिलाओं तक ही सीमित नहीं है, बल्कि समाज के हर कोने में महसूस किया जा रहा है। सिन्दूर अब केवल पवित्रता का नहीं, बल्कि प्रतिरोध का प्रतीक भी है। यह उन महिलाओं की आवाज है जो अन्याय के खिलाफ उठ खड़ी होती हैं, अपने हक के लिए लड़ती हैं, और समाज की बंधी-बंधाई धारणाओं को तोड़ती हैं।

यह बदलाव फिल्मों और साहित्य में भी साफ दिखाई देता है। जैसे कि फिल्म 'मणिकर्णिका' में झांसी की रानी लक्ष्मीबाई का सिन्दूर केवल श्रृंगार का नहीं, बल्कि स्वाभिमान और संघर्ष का प्रतीक है। इसी तरह, कई वेब सीरीज और कहानियां भी सिन्दूर को एक नई परिभाषा दे रही हैं। समाज का यह नया दृष्टिकोण नारी के प्रति उसकी बदलती सोच का प्रतीक है। अब सिन्दूर केवल विवाह का प्रतीक नहीं, बल्कि स्वतंत्रता, साहस और आत्मसम्मान का प्रतीक बन गया है। यह उस नारी का प्रतीक है जो किसी भी परिस्थिति में न झुकने का संकल्प लेती है, जो अपने आत्मसम्मान के लिए किसी भी हद तक जा सकती है।

संक्षेप में कहें तो, सिन्दूर अब केवल श्रृंगार नहीं, बल्कि शौर्य का प्रतीक है। यह हर उस नारी का प्रतिनिधित्व करता है जो खुद को परिभाषित करने में सक्षम है, जो किसी भी बंधन को तोड़कर अपनी पहचान बना रही है। यह बदलाव हमारे समाज की सोच में आ रहे सकारात्मक परिवर्तन का सूचक है। यह केवल एक परंपरा का नहीं, बल्कि एक पूरे विचारधारा का पुनर्जागरण है। आज की नारी सिन्दूर को केवल एक प्रतीक नहीं, बल्कि अपने संघर्ष और स्वाभिमान का प्रतीक मानती है। यह उसकी शक्ति, संकल्प और आत्मसम्मान का प्रमाण है। सिन्दूर, जो एक समय केवल वैवाहिक बंधन का प्रतीक था, आज नारी की आत्मशक्ति, संघर्ष और साहस का प्रतीक बन चुका है। यह उन महिलाओं का प्रतिनिधित्व करता है जिन्होंने अपने सपनों को पंख दिए और समाज की पुरानी धारणाओं को तोड़ा। यह केवल एक परंपरा नहीं, बल्कि एक संकल्प है - खुद को परिभाषित करने का, अपने आत्मसम्मान के लिए लड़ने का, और अपने अधिकारों के लिए आवाज उठाने का। यह उन वीरांगनाओं का प्रतीक है जिन्होंने इतिहास को अपने खून से लिखा और उन आधुनिक नारियों का प्रतीक है जो हर चुनौती को आत्मविश्वास से स्वीकारती हैं। सिन्दूर अब केवल श्रृंगार नहीं, बल्कि नारीत्व का महाकाव्य है - संघर्ष, स्वाभिमान और शौर्य का प्रतीक।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बांग्लादेश ने पाकिस्तानी व्यापारियों के लिए वीजा नीति आसान की : उच्चायुक्त

कराची/भाषा। बांग्लादेश पाकिस्तानी कारोबारियों के लिए अपनी वीजा नीति को आसान बना रहा है। पाकिस्तान में बांग्लादेश के उच्चायुक्त इकबाल हुसैन खान ने कहा कि इस कदम का उद्देश्य दोनों देशों और पूरे क्षेत्र के बीच आर्थिक विकास को बढ़ावा देना है।

गुजरात चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (जीटीसीसीआई) द्वारा पाकिस्तान में शनिवार को आयोजित एक स्वागत समारोह में खान ने कहा कि बांग्लादेश, पाकिस्तान को पश्चिम एशिया के प्रवेश द्वार के रूप में देखता है।

खान ने कहा, हम क्षेत्र में स्थिरता और आर्थिक वृद्धि में विश्वास करते हैं, यही वजह है कि हम पाकिस्तान, खासकर व्यापारियों के लिए वीजा व्यवस्था को आसान बना रहे हैं। उन्होंने कहा, दोनों देशों ने व्यापार प्रतिनिधिमंडलों को वीजा देना शुरू कर दिया है।

खान ने कहा कि चालू वित्त वर्ष में दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार एक अरब डॉलर को पार करने की उम्मीद है। उन्होंने उम्मीद जताई कि व्यापार में वृद्धि जारी रहेगी क्योंकि दोनों देश सहयोग को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इस कार्यक्रम में जीटीसीसीआई के अध्यक्ष बाउ मुनीर ने कहा कि भारत के बाद सार्क (दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन) में सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाएं होने के नाते पाकिस्तान और बांग्लादेश को आपसी लाभ के लिए क्षेत्रीय व्यापार अवसरों का उपयोग करना चाहिए।

भारत के डोर्नियर विमान मलेशिया में समुद्री और 'एयरोस्पेस' प्रदर्शनी में भाग लेंगे

नई दिल्ली/भाषा। मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड और हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड सहित कई रक्षा क्षेत्र के सार्वजनिक उपक्रम (डीपीएसयू) मलेशिया के लंगकावी में 20 से 24 मई तक समुद्री और अंतरिक्ष प्रदर्शनी में भाग लेंगे। रक्षा मंत्रालय ने शनिवार को यह जानकारी दी। रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ लंगकावी अंतरराष्ट्रीय समुद्री और अंतरिक्ष प्रदर्शनी के 17वें संस्करण में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे।प्रदर्शनी में एक भारतीय मंडप स्थापित किया गया है और रक्षा राज्य मंत्री इसका उद्घाटन करेंगे। मंत्रालय ने एक बयान में बताया, मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड, भारत डायनामिक्स लिमिटेड, बीईएमएल, हिंदुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड व ग्लाइडर्स इंडिया लिमिटेड सहित कई डीपीएसयू तथा अन्य निजी रक्षा कंपनियां इस प्रदर्शनी में भाग लेंगी और भारतीय रक्षा उद्योग जगत की सामर्थ्य का प्रदर्शन करेंगी।

बयान के मुताबिक, इस वर्ष, डोर्नियर विमान और एक भारतीय नौसेना जहाज सहित भारतीय रक्षा परिसंपत्तियां भी प्रदर्शनी में भाग लेंगी। बयान में बताया गया, रक्षा राज्य मंत्री इस प्रदर्शनी से इतर मलेशिया के रक्षा मंत्री दातो सेरी मोहम्मद खालिद बिन नॉर्डिन से भेंट करेंगे। इस यात्रा से द्विपक्षीय रक्षा सहयोग एवं व्यापक रणनीतिक साझेदारी और भी मजबूत होगी। बयान के मुताबिक, भारत और मलेशिया के बीच सशक्त एवं बहुआयामी संबंध हैं, जो रक्षा व सुरक्षा सहित कई रणनीतिक क्षेत्रों तक फैल चुके हैं। दोनों देश साल 2024 में मलेशिया के प्रधानमंत्री की भारत यात्रा के दौरान स्थापित व्यापक रणनीतिक साझेदारी के दृष्टिकोण के तहत कार्य करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

बातचीत

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा रविवार को पिथौरागढ़ जिले के आदि कैलाश क्षेत्र के दौरे के दौरान सुरक्षा कर्मियों से बातचीत करते हुए।

कैलाश मानसरोवर यात्रा की तैयारियां शुरू

गंगटोक/भाषा। सिक्किम सरकार ने नाथू ला के माध्यम से कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए बुनियादी ढांचे के विकास में प्रयास तेज कर दिये हैं। नाथू ला हिमालय में एक पहाड़ी दर्रा है, जो राज्य को चीन के तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र से जोड़ता है। पांच वर्ष के अंतराल के बाद फिर से शुरू होने जा रही कैलाश पर्वत और मानसरोवर झील की तीर्थयात्रा हिंदुओं के साथ-साथ जैन व बौद्धों के लिए भी धार्मिक महत्व रखती है। राज्य की राजधानी गंगटोक और नाथू ला के बीच दो केंद्र स्थापित किए जा रहे हैं।

कमल हासन की फिल्म 'ठगलाइफ' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

दक्षिण भारतीय फिल्मों के सुपरस्टार और फिल्मकार कमल हासन की आने वाली फिल्म ठगलाइफ का ट्रेलर रिलीज हो गया है। कमल हासन इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म फिल्म ठग लाइफ को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म ठग लाइफ, तीन दिग्गज मणि रत्नम, कमल हासन और ए.आर. रहमान के साथ पहली बार एक साथ आने के कारण इतिहास बनाने के लिए तैयार है। इस बीच ठग लाइफ का ट्रेलर चेन्नई में शनिवार को रिलीज कर दिया गया है। ट्रेलर लांच पर कमल हासन, मणि रत्नम, ए आर रहमान,सिलंबरासन टीआर (एसटीआर), त्रिशा, अभिरामी और अशोक सेलवन मौजूद रहे। इस दौरान कमल हासन और मणिरत्नम ने 38 साल बाद साथ काम करने के बारे में खुलकर बात की। एसटीआर, त्रिशा और अन्य कलाकारों ने मणिरत्नम के शानदार निर्देशन में काम करने और कमल हासन के दमदार अभिनय के साथ कदम से कदम मिलाकर चलने के अपने अनुभव साझा किए।

फिल्म ठगलाइफ की कहानी एक ताकतवर गैंगस्टर रंगाराय शक्तिवेल नायकर (कमल हासन) के इर्द-गिर्द घूमती है। सबको लगा था कि मर चुका है, लेकिन वो वापस आता है. उसकी वापसी पुराने गुनाह, अधूरी दुश्मनियों और पारिवारिक संघर्षों को हवा देती है। फिल्म 'ठग लाइफ' के ट्रेलर में सबसे पहले कमल हासन को दिखाया जाता है। वह एक बच्चे से कहते हैं,

जान तुमने ही बचाई है मेरी, यमराज के चंगुल से छीन लाया है। अब उसने तेरे और मेरे नसीब को एक साथ लिख दिया है। अब से तुम और मैं दोनों एक, आखिर तक। इसके बाद दिखाया गया है कि वो बच्चा जिसका नाम अमर (सिलाम्बरासन) है, अब बड़ा हो चुका है। दो मिनट के इस ट्रेलर में कमल हासन का दमदार एक्शन फैंस का ध्यान खींच रहा है। ट्रेलर में इमोशन्स, ड्रामा और धुंआधार एक्शन देखने को मिल रहा है। ट्रेलर में कमल हासन और सिलंबरासन टीआर को स्क्रीन पर पिता-पुत्र की तरह देखा जा सकता है। गौरतलब है कि फिल्म ठग लाइफ को राज कमल फिल्म्स इंटरनेशनल, मद्रास टॉकीज और रेड जायंट मूवीज ने मिलकर प्रोड्यूस किया है। फिल्म का संगीत लेजेंडरी म्यूजीशियन एआर रहमान ने दिया है। फिल्म ठग लाइफ में मलयालम, हिंदी और तेलुगु सिनेमा के कलाकार नज़र आएंगे, जो इसे भारतीय सिनेमा की सबसे महत्वाकांक्षी मल्टी-स्टारर फिल्मों में से एक बनाता है। कमल हासन, मणि रत्नम, आर. महेंद्रन और शिव अनंत निर्मित फिल्म ठग लाइफ में कमल हासन, सिलंबरासन टीआर, त्रिशा, नासिर, अभिरामी, जोजू जॉर्ज, अशोक सेलवन, ऐश्वर्या लक्ष्मी, महेश मांजरेकर अली फजल, वैयापुरी और अन्य प्रमुख भूमिकाएँ हैं। यह फिल्म 05 जून को दुनियाभर में रिलीज़ होने के लिए तैयार है।

पोप लियो 14वें ने एकता के लिए काम करने की प्रतिबद्धता जताई

वेटिकन सिटी/एपी

इतिहास में पहले अमेरिकी पोप, पोप लियो 14वें ने एकता के लिए काम करने की प्रतिबद्धता जताई ताकि कैथोलिक चर्च दुनिया में शांति का प्रतीक बन सकें।

पोप लियो (69) ने सेंट पीटर्स स्क्वायर में आयोजित सामूहिक प्रार्थना सभा के दौरान प्रेम और एकता का संदेश दिया। इस कार्यक्रम में कार्डिनल (उच्च पादरी), बिशप और पादरियों समेत बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे।

लियो ने अपने कार्यकाल की शुरुआत सेंट पीटर्स स्क्वायर में लोगों को आशीर्वाद देकर पियाजा (चौक) से पोपमोबाइल (विशेष वाहन) में यात्रा करके की।

लियो ने इस मौके पर कहा कि वह प्रेम और एकजुटता के संदेश के जरिये लोगों के सेवक बनना चाहते हैं। उन्होंने कहा, मैं चाहता हूं कि हमारी पहली बड़ी इच्छा एक संयुक्त चर्च की हो, जो एकता का प्रतीक हो, जो मेल-मिलाप वाली दुनिया के लिए एक उदाहरण बन जाए।''

कार्यक्रम में पोप को एक धार्मिक वस्त्र और एक अंगूठी दी गई। धार्मिक वस्त्र नए पोप के पदभार ग्रहण करने का प्रतीक होता है। उन्होंने अपना हाथ घुमाकर अंगूठी को देखा और फिर प्रार्थना के दौरान अपने हाथ जोड़ लिए।

कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा व्यवस्था कड़ी की गई थी।

अमेरिका के उपराष्ट्रपति जे.डी. वेंस, जो पोप फ्रांसिस के निधन से पहले उनसे मिलने वाले कुछ विदेशी नेताओं में से एक थे, ने शनिवार देर रात रोम पहुंचने पर अर्जेंटीना के पोप की समाधि पर श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद शिकागो में जन्मे लियो को सम्मानित करने वाले अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया।

अमेरिका और अन्य स्थानों पर कैथोलिक चर्च में ध्रुवीकरण को देखते हुए एकता के लिए उनका आह्वान महत्वपूर्ण है।

अपना पूरा जीवन पेरू में सेवा करते हुए बिताने वाले लियो ने वेटिकन के बिशप के प्रभावशाली दायित्व को संभाल लिया और कैथोलिक चर्च के दो हजार साल के इतिहास में पहली बार ऐसा हुआ जब अमेरिका से पोप चुने गए थे।

ऑगस्टीनियन धार्मिक आदेश के सदस्य लियो आठ मई को पोप चुने गये थे।वेंस के साथ अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो भी थे, जो रूस-यूक्रेन शांति वार्ता को आगे बढ़ाने के प्रयास के लिए समय से पहले रोम पहुंच गए हैं।

पेरू की राष्ट्रपति डिना बोलुआर्टे, यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की समेत कई राष्ट्राध्यक्ष इस कार्यक्रम में शामिल हुए। रूस का प्रतिनिधित्व संस्कृति मंत्री ओल्गा लियुबिमोवा कर रही हैं।

दुनिया के 36 अन्य ईसाई चर्चों ने अपने-अपने प्रतिनिधिमंडल भेजे, यहूदी समुदाय का 13 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल था, जिनमें से आधे रब्बी थे। अन्य प्रतिनिधियों ने बौद्ध, मुस्लिम, पारसी, हिंदू, सिख और जैन प्रतिनिधिमंडलों का नेतृत्व किया।

गत 26 अप्रैल को पोप फ्रांसिस के अंतिम संस्कार में लगभग 250,000 लोग शामिल हुए थे। रोम के अधिकारियों ने रविवार को 250,000 और लोगों के आने की संभावना जताई।

पियाजा और उसके पास जाने वाले मुख्य बुलेवार्ड, तथा पास के दो पियाजा में विशाल टेलीविजन स्क्रीन लगाई गई हैं।

जियो हॉटस्टार पर प्रसारित होगा एकता कपूर का सुपरहिट शो 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी'

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड की जानीमानी फिल्मकार एकता आर कपूर का सुपरहिट शो 'क्यूंकि सास भी कभी बहू थी' अब जियो हॉटस्टार पर प्रसारित होगा। भारत के सबसे लोकप्रिय टेलीविजन शो में शामिल 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' 20-भाग की मिनी मूवी सीरीज के रूप में जियो हॉटस्टार पर प्रसारित होगा। तीन घंटे की मिनी फिल्म हर शुक्रवार को जियो हॉटस्टार पर प्रसारित होगी।

निर्माता एकता कपूर ने अपने उत्साह को साझा करते हुए कहा,जब हमने दो दशक पहले क्योंकि सास भी कभी बहू थी बनायी थी, तब हमने कभी नहीं सोचा था कि यह भारत की टेलीविज़न विरासत का इतना बड़ा हिस्सा बन जाएगा। तुलसी का सफर के ज़रिए हमारा उद्देश्य उस विरासत को फिर से जीना और सेलिब्रेट करना है। उन सबसे दमदार पलों को एक ऐसे फॉर्मेट में पेश करना जो आज के दर्शकों को नए नज़रिए से अनुभव करने का मौका दे। यह उन किरदारों, भावनाओं और कहानियों को श्रद्धांजलि है जिन्होंने दिलों को छू लिया था।

शो में अहम भूमिका निभाने वाले रोनित रॉय ने कहा, मैं उत्साहित हूं कि जियो हॉटस्टार इस टाइमलेस स्टोरी को नए और रचनात्मक तरीके से जीवंत करने जा रहा है. लोगों के दिलों के इतने करीब की कहानी को पुराने प्रशंसकों और नए दर्शकों से जुड़ते हुए देखना अद्भुत है. मैं इसका हिस्सा बनकर सम्मानित महसूस कर रहा हूं। अमर उपाध्याय ने कहा, क्योंकि सास भी कभी बहू थी: तुलसी का सफर' के जरिए उस दुनिया में वापस जाना किसी पुराने फोटो एल्बम को पलटने जैसा है यह रीक्रिएट करने के बारे में नहीं है, बल्कि उन पलों को फिर से जीने के बारे में है, जिसने इतने सारे दिलों पर छाप छोड़ी।

तेलुगू में 'केसरी चैप्टर 2' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड इंडस्ट्री के 'खिलाड़ी' यानी अक्षय कुमार सुर्खियों में बने रहते हैं। उनकी 18 अप्रैल के दिन हिंदी भाषा में रिलीज हुई फिल्म 'केसरी चैप्टर 2: द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ जलियांवाला बाग' की हर जगह वाहवाही हो रही है। यह फिल्म अब तेलुगू भाषा में रिलीज होने जा रही है। एक्टर ने सोशल मीडिया पर तेलुगू ट्रेलर रिलीज किया है। अक्षय कुमार ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर फिल्म 'केसरी चैप्टर 2' का तेलुगू भाषा में ट्रेलर रिलीज किया। इस ट्रेलर को जारी करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा- ''लोगों ने उन पर गोलियां चलाई, लेकिन उसने डरने के बजाय सच्चाई से जवाब दिया''... तेलुगू में रिलीज से यह फिल्म अब तेलुगू भाषी दर्शकों तक भी पहुंचेगी, जहां देशभक्ति और ऐतिहासिक कहानियों को लेकर गहरी रुचि देखी जाती है।

इससे पहले एक्टर ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए फिल्म के तेलुगू वर्जन की रिलीजिंग डेट का खुलासा किया था। पोस्ट में फिल्म का पोस्टर शेयर किया, जिस पर तेलुगू भाषा में फिल्म का नाम 'केसरी चैप्टर 2' लिखा था और नीचे की ओर रिलीजिंग डेट लिखी हुई थी। इस पोस्टर को शेयर करते हुए अक्षय ने कैप्शन में लिखा, ''जो दफन हुआ, वो सिर्फ सच नहीं था, वो अधूरा इंसाफ था! 'केसरी चैप्टर 2' तेलुगू में 23 मई को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है।''

फिल्म में अक्षय कुमार ने सी. शंकरन नायर की भूमिका निभाई है, जो एक निडर वकील है। वह नरसंहार के बाद ब्रिटिश साम्राज्य के खिलाफ कानूनी लड़ाई लड़ता है। वहीं आर. माधवन ने तेजतर्रार वकील नेविल मैककिनले का किरदार निभाया, जो ब्रिटिश सरकार की तरफ से लड़ता है। इनके अलावा, अनन्या पांडे वकील दिलरीत गिल की महत्वपूर्ण भूमिका में नजर आईं। यह फिल्म रघु पलट और पुष्पा पलट की किताब 'द केस दैट शूक द एम्पायर' से प्रेरित है। फिल्म का निर्देशन करण सिंह त्यागी ने किया है। 'केसरी चैप्टर 2' को 18 अप्रैल, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई।

प्रदर्शनी

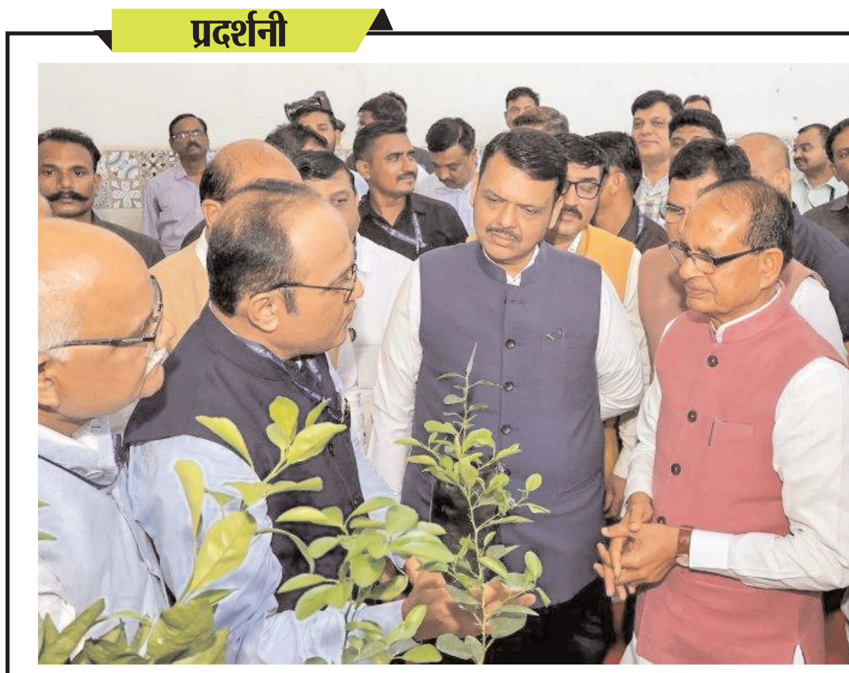

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान 'किसान सम्मेलन' के दौरान एक प्रदर्शनी में शामिल हुए।

'जेठानी' में रानी का सुहागन अवतार सोशल मीडिया पर छाया

मुंबई/एजेन्सी

भोजपुरी एक्ट्रेस रानी चटर्जी की नई फिल्म 'जेठानी' की आधिकारिक घोषणा हो चुकी है। इस फिल्म की शूटिंग जारी है। इस बीच रानी ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर फिल्म का एक सीन शेयर किया, जिसे लोग काफी पसंद कर रहे हैं। रानी चटर्जी ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, जो उनकी आने वाली नई फिल्म 'जेठानी' का एक सीन है। इस वीडियो में रानी एक पारंपरिक सुहागन महिला के रूप में नजर आ रही हैं। उन्होंने गले में मंगलसूत्र पहना है, मांग में सिंदूर लगाया है, आंखों में काजल और माथे पर सुंदर बिंदी भी लगी है। इस पूरे लुक में रानी बहुत खूबसूरत और सजी-संवरी लग रही हैं। वीडियो में वह एक नए ट्रैक्टर की पूजा करती दिख रही हैं। पहले उन्होंने ट्रैक्टर पर स्वास्तिक का चिन्ह बनाया, फिर उसे फूलों की माला पहनाई। इसके बाद उन्होंने परंपरा के अनुसार नारियल फोड़ा और ट्रैक्टर पर जल चढ़ाया। यह पूरा सीन भारतीय संस्कृति और परंपराओं को बहुत अच्छे तरीके से दिखाता है। इस वीडियो को शेयर करते हुए रानी ने कैप्शन में लिखा, हमारी भोजपुरी की फिल्मों की सबसे बड़ी खूबसूरती यही है कि वो संस्कारों से जुड़ी हुई हैं, सभ्यता और अपनेपन से जुड़ी हुई हैं। ये एक फिल्म का सीन है। इसके बाद उन्होंने हैशटैग नई फिल्म 'हम हैं जेठानी' लिखा। रानी चटर्जी का यह अवतार दर्शकों को काफी पसंद आ रहा है।

परुल गुलाटी ने अपने रेड कार्पेट डेब्यू से मचाया धमाल

कान्स/एजेन्सी

अभिनेत्री और उद्यमी परुल गुलाटी ने 78वें कान्स फिल्म फेस्टिवल में अपने पहले रेड कार्पेट डेब्यू से धमाल मचा दिया। परुल गुलाटी ने कान्स फिल्म फेस्टबिल में अपने लुक से सबका ध्यान खींचा। उन्होंने बहुप्रतीक्षित फिल्म एडिंगटन के वर्ल्ड प्रीमियर में हिस्सा लिया, जो प्रसिद्ध निर्देशक एरी एस्टर की नई फिल्म है और जिसमें जोकिन फीनिक्स, एमा स्टोन और पेड्रो पास्कल जैसे ग्लोबल सितारे हैं। परुल ने इस खास मौके पर एक बेहद अनोखा परिधान पहना, जो पूरी तरह इंसानी बालों से बनाया गया था। इस आउटफिट को खुद परुल ने आइडिया दिया और मशहूर स्टाइलिस्ट मोहित राय और डिज़ाइनर ऋद्धि बंसल ने इसे डिज़ाइन किया। यह लुक परुल की अपनी हेयर एक्सटेंशन ब्रांड और उनकी एंटरप्रेन्योरशिप को समर्पित एक खास श्रद्धांजलि थी। इस पोशाक को बनाने में 12 कारीगरों की टीम ने एक महीने से ज़्यादा मेहनत की, जिसमें हर एक डिटेल पर बारीकी से काम किया गया। परुल गुलाटी का यह लुक सिर्फ एक फैशन स्टेटमेंट नहीं था, बल्कि यह आत्म-अभिव्यक्ति, पहचान और सिनेमा के प्रति उनके प्यार को दर्शाने वाला एक गहरा व्यक्तिगत इशारा था। परुल गुलाटी ने कहा, कान्स फिल्म फेस्टिवल में शामिल होना मेरा एक सपना रहा है। सिर्फ एक कलाकार के तौर पर नहीं, बल्कि एक ऐसी इंसान के रूप में जिसे सिनेमा से बेहद लगाव है। 'एडिंगटन' जैसी फिल्म के प्रीमियर में रेड कार्पेट पर चलना किसी सपने जैसा था। एरी एस्टर का काम हमेशा से मुझे प्रभावित करता रहा है, और जोकिन फीनिक्स, एमा स्टोन और पेड्रो पास्कल जैसे अदाकारों को एक साथ स्क्रीन पर देखना एक यादगार अनुभव रहा। परुल ने कहा,मैं चाहती थी कि मेरा रेड कार्पेट लुक मेरी पहचान, मेरे सफर और मेरी सोच को दर्शाए। यह बालों से बना परिधान सिर्फ फैशन में कुछ अलग करने की कोशिश नहीं थी, यह मेरी जड़ों और हर उस महिला को एक श्रद्धांजलि थी जो अपनी अलग पहचान को अपनाती है। इस पोशाक के ज़रिए मैंने अपनी रचनात्मकता और व्यवसायिक यात्रा को एक साथ पेश किया, और यह पल मैं कभी नहीं भूलूंगी।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

8

www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com

चेन्नई | सोमवार | 19-05-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

स्वाभिमान गिरवी रखकर प्राप्त किया हुआ सोना, चांदी, महल भी मिट्टी के समान है और स्वाभिमान की सूखी रोटी भी पांच पकवान से बढ़कर है। जिस व्यक्ति के जीवन में देश के प्रति स्वाभिमान नहीं होता वह जिंदा भी मुर्दे के समान है। स्वाभिमान ही धर्म का प्रवेश द्वार है, इसके बिना कितना ही दान, त्याग, तपस्या की जाएं, सब व्यर्थ हैं। यहां तक कि यदि संत भी बन जाए तो भी विश्व के किसी धर्म में प्रवेश नहीं हो सकता है। विश्व के सभी महापुरुषों ने स्वाभिमान की रक्षा के लिए अपना तन, मन, धन सर्वस्व न्योछावर कर दिया।

व्रत हमारे जीवन का सुरक्षा कवच : साध्वी उदितयशा

‘कम, कनेक्ट और करेक्ट’ कार्यशाला का हुआ आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। साध्वीश्री उदितयशाजी के सान्निध्य में तेरापंथ सभा, किलपॉक के तत्वावधान में रविवार को ’कम, कनेक्ट और करेक्ट’- वंडरफुल वर्कशॉप का आयोजन हुआ। नमस्कार महामंत्र समुच्चारण से शुभारम्भ कार्यशाला में जनमेदनी को सम्बोधित करते हुए साध्वीश्री उदितयशाजी ने कहा कि हम दुनिया की होड में आगे बढ़ने के लिए आत्मदर्शन रुपी मूल सत्य को पिछे छोड़ रहे है, भूलते जा रहे है। आज की यह कार्यशाला का विषय आज के लिए ही नहीं, अपितु हमारे पुरे चातुर्मास की यही थीम रहेगी।

कम के बारे में प्रकाश डालते हुए साध्वीश्री ने कहा कि हमारे पास आने का आपका लक्ष्य फोटो फ्रेम के लिए न होकर, यह होना चाहिए कि हम संस्कारों से परिपूर्ण बने, आत्मदर्शन को जानने, पहचानने का प्रयास करे। जब श्रावक समाज हमारे से कनेक्ट होगें तो हमारा ध्येय रहेगा कि हम आपकी भावनाओं को सुने, विचारों को जाने और समस्याओं का यथोचित समाधान करने की कोशिश करे, उसे करेक्ट करे।

विशेष पाथेय प्रदान करते हुए साध्वीश्री ने कहा कि अनन्त काल से संसार में हम शब्द, तर्क, रूप में अटके हुए है। अब हम अशब्द को सुनने, अतर्क को जानने, अरूप को पहचानने का प्रयास करे, उस दिशा की साधना में गतिशील बने। दीवारे, छत घर की सुरक्षा का कार्य करते है, इसी तरह त्याग- प्रत्याख्यान, व्रत हमारे आध्यात्मिक जीवन का सुरक्षा कवच हैं। साध्वी शिक्षाप्रभाजी, साध्वी भव्ययशाजी ने आज के विषयक थीम सॉन्ग का संगान किया।

साध्वी भव्ययशाजी ने कार्यशाला विषयक फायदे व टिप्स बताते हुए एक रोचक रियल संवाद की सोलो प्रस्तुति के माध्यम से युवा पीढ़ी को प्रेरित किया। साध्वी संगीतप्रभाजी ने संगीतमय संयोजकीय वक्तव्य के माध्यम से अभिभावकों को जागरूक रहने की प्रेरणा देते हुए कहा कि जीवन जीने की सम्यक कला अध्यात्म के पास है। अन्य कलाओं के साथ इसको भी सीखना बहुत जरूरी हैं। स्वरूपचन्द दांती ने जानकारी दी कि किलपॉक सभा मंत्री विजय सुराणा ने आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर किलपॉक सभाध्यक्ष अशोक परमार, चेन्नई तेरापंथ सभाध्यक्ष अशोक खतंग के साथ बंडी संख्या में श्रावक समाज उपस्थित था।

आईओबी और आईआईबीएफ में समझौता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। इंडियन ओवरसीज बैंक (आइओबी) के एमडी व सीईओ अजय कुमार श्रीवास्तव की गरिमामयी उपस्थिति में आइओबी के महाप्रबंधक एचआर दिलीप कुमार बारिक और आईआईबीएफ के निदेशक अकादमिक डॉ. के गंगाधरन ने 17 मई को आइओबी के केंद्रीय कार्यालय में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर उपस्थित अन्य गणमान्य व्यक्तियों में आईआईबीएफ के सीईओ बिस्वा केतन दास, आइओबी के कार्यपालक निदेशक जयदीप दत्ता रॉय, आईआईबीएफ के उप निदेशक अकादमिक प्रीतम कर और आईआईबीएफ के पीडीसी प्रमुख दक्षिण पद्मनाभन शामिल थे।

एमओयू का उद्देश्य एमएसएमई के बारे में कर्मचारियों के ज्ञान को बढ़ाना और एमएसएमई की ऋण आवश्यकताओं को पर्याप्त रूप से और समय पर पूरा करना है । एमएसएमई देश की समग्र औद्योगिक अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है अत: इस क्षेत्र को सावधानीपूर्वक पोषित करने और समर्थन देने की अत्यधिक आवश्यकता है। एमओयू के एक हिस्से के रूप में, आईआईबीएफ ने आइओबी कर्मचारियों के लिए ई-बुक के रूप में एक अनुकूलित पाठ्यक्रम विकसित किया है और रिमोट प्रोक्टर्ड मोड के माध्यम से प्रमाणन परीक्षा आयोजित करेगा। परीक्षा में सफल होने पर आइओबी और आईआईबीएफ अधिकारियों द्वारा संयुक्त रूप से हस्ताक्षरित प्रमाण पत्र कर्मचारियों को प्रदान किया जाएगा।

लोकमंगल का तीर्थ विजय मंगलम

तमिलनाडु में प्राचीन जैन धरोहर की विशेषताएँ विविध एवं बहुपक्षीय हैं। जहां भी यह धरोहर बची या बचाई जा सकी है, वहां संस्कृति और लोकजीवन के अनेक दुर्लभ तथ्य सुरक्षित हैं। एक ऐसा ही प्राचीन जैन तीर्थ है- विजय मंगलम। जैन धर्म के आठवें तीर्थंकर भगवान चंद्रप्रभु को समर्पित इरोड जिले में स्थित यह जिनालय इस क्षेत्र का सबसे प्राचीन जिनालय है। ऐतिहासिक रूप से यह कोंगुनाडु का हिस्सा था, जहां जैन धर्म जनजीवन में रचा-बसा था। सातवीं सदी के उत्तरार्ध में राजा कोंगुवेलिर ने यह जिनालय बनाया था।

विद्वान राजा कोंगुवेलिर ने यहां ‘पंचकाव्यम’ नामक महाकाव्य की रचना की। राजा ने पेरुंकथा’ भी लिखी थी। तब यहाँ तमिल संगम आयोजित हुआ। संगम में राजा की दासी ने भी साहित्यिक प्रश्नों के उत्तर दिये। इस प्रसंग की स्मृति में जिनालय में राजा और संगम के विद्वानों के साथ ही दासी की मूर्ति भी लगाई गई। तेरह सौ साल पहले साधारण नारी की विद्वत्ता के सम्मान का यह प्रेरक उदाहरण है। प्रसिद्ध तमिल व्याकरण नन्नूल के रचनाकार जैन विद्वान भवनंदी भट्टारक इसी क्षेत्र में जन्मे थे। श्रमणबेलगोला स्थित बाहुबली की विशाल मूर्ति के निर्माता चामुंडराय की बहन पुल्लव ने दसवीं सदी में इसी तीर्थ पर संथारा लिया था।

मंदिर के बाहर गोपुरम से पूर्व एक ही पाषाण से बना ऊंचा ध्वजस्तंभ अद्वितीय है। गोपुरम में 24 तीर्थंकर दर्शाए गए हैं। मंदिर के प्रस्तर स्तंभों पर तीर्थंकर छवियों के अलावा नृत्य, फूल, विविध पशु-पक्षी आदि लोकजीवन के अनेक प्रकार के कलात्मक अंकन हैं। तेरहवीं सदी का नृत्य मंडप आस्था के साथ कला, संस्कृति व लोकोत्सव की जानकारी देता है। छतों पर भी इतिहास अंकित है। सन्नाटे में भी यहां का हर पत्थर बोलता है। वस्तुतः ‘विजय मंगलम’ विजय की ऐसी कहानी सुनाता है, जिसमें हार किसी की नहीं है, और जीत सबकी है।

– डॉ. दिलीप धींग

तेरापंथ थली परिषद का वार्षिक अधिवेशन सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तेरापंथ थली परिषद की वार्षिक अधिवेशन यहां एक होटल में आयोजित किया गया। वार्षिक सदन की शुरुआत नवकार मंत्र के पावन उच्चारण से हुई। परिषद के अध्यक्ष हरिसिंह हिरावत ने स्वागत भाषण में सभी सदस्यों एवं समिति का आभार व्यक्त किया। इसके बाद मंच चुनाव अधिकारी मनोज डूंगरवाल एवं आनंद पारख को मंच सौंप दिया गया। उन्होंने बताया कि मात्र एक व्यक्ति का नाम आया है वह नाम है हरिसिंह हिरावत इसलिए अध्यक्ष पद पर उन्हें पुनः मनोनीत किया जाता है।

नव निर्वाचित अध्यक्ष ने अपनी टीम की घोषणा की। जिसमें उपाध्यक्ष ललित दुगड़ एवं प्रदीप बोकाड़िया, मंत्री अंकुर खटेड़, सहमंत्री प्रदीप चोरड़िया एवं संतोष सेठिया, कोषाध्यक्ष आनंद पारख और संगठन मंत्री के रूप में प्रकाश फूलफगर का चयन हुआ। प्रकाश फुलफगर ने सभी का धन्यवाद ज्ञापन किया।

टीपीएफ बेंगलूरु वेस्ट द्वारा ‘मीट एंड ईट’ पोटलक का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम बेंगलूरु वेस्ट द्वारा ’सनडेज़ इन फ़नवेज़’ सीरीज के अंतर्गत ’मीट एंड ईट पोटलक’ कार्यक्रम का आयोजन विजयनगर तेरापंथ भवन में किया गया। संस्था के अध्यक्ष ललित बेगानी ने स्वागत किया। विजयनगर सभा के अध्यक्ष मंगल कोचर ने टीपीएफ के कार्यों की सराहना की। कार्यक्रम का आरंभ परिचय सत्र से हुआ। इस मौके पर बैलेंस दि ग्लास और डांसिंग चाइनीज़ विस्पर जैसे मनोरंजक खेलों का आयोजन किया तथा सभी ने लाए हुए व्यजंनों का आनंद उठाया। कार्यक्रम के संयोजन में दीक्षा जैन और दिव्या जैन ने विशेष भूमिका निभाई। टीपीएफ़ के राष्ट्रीय अध्यक्ष हिम्मत मांडोत, सुशीला मांडोत, टीपीएफ के उपाध्यक्ष संजय मालू, डॉ. प्रकाश छाजेड़ व निहाल बैद आदि उपस्थित थे।

अमर्त ग्लोबल संस्था के स्वयंसेवकों ने किए अनेक मानवसेवी कार्य

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अमर्त ग्लोबल के बेंगलूरु चैप्टर के स्वयंसेवकों द्वारा रविवार को संत आनंदमूर्तिजी के 105वें आविर्भाव दिवस के उपलक्ष्य में शहर के विभिन्न क्षेत्रों में कुछ मानवसेवा के कार्य किए गए। विक्टोरिया व वाणी विलास अस्पताल के बच्चों और महिलाओं के वार्ड और मागड़ी रोड स्थित कुष्ठ रोग अस्पताल में 500 से अधिक लोगों को केले, सेब व मौसंबी जैसे फल वितरित किए गए। इसके अलावा कम्मगोंडनहल्ली क्षेत्र में निशुल्क स्वास्थ्य शिविर व छाछ वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें काफी लोग लाभान्वित हुए। साथ ही कोन्ननकुंटे व चन्नसंद्रा स्थित गरीब बस्तियों में स्वच्छता शिविर का आयोजन किया गया जिसमें बच्चों को स्वच्छता के महत्व के बारे में बताया और तेल, टूथपेस्ट, ब्रश, कंघी, डिटोल आदि का वितरण किया।

हम सब को देश की सेना के पराक्रम पर गर्व होना चाहिए : राष्ट्रसंत कमलमुनि

कोलार में संतों के सान्निध्य में निकाली गई तिरंगा यात्रा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलार। शहर में पद विहार कर पहुंचे राष्ट्रसंतश्री कमलमुनिजी के सान्निध्य में उपाध्यायश्री केवलमुनिजी की पुण्यतिथि व ऑपरेशन सिंदूर सर्जिकल स्ट्राइक पर तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। इस मौके पर उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए राष्ट्रसंतश्री कमलमुनिजी ने कहा कि सेना के शौर्य, पराक्रम और साहस का लोहा पूरा विश्व मान गया है, हम सभी को हमारी सेना पर गर्व होना चाहिए। मुनिश्री कमलेशजी ने कहा कि देश की सेना पर अंगुली उठाना, सफलता का झूठा श्रेय लेना, उसका राजनीतिकरण करना अक्षम अपराध है, देशद्रोह से कम नहीं है। राष्ट्रसंत ने कहा कि देश का सौभाग्य है कि सभी राजनीतिक पार्टियों, धार्मिक गुरु और जनता ने जो एकजुटता दिखाई है वह बहुत सराहनीय है।

इस मौके पर आयोजित तिरंगा यात्रा में संतों की प्रेरणा से इंदरचंद धारीवाल, जितेंद्र छाजेड़, अनंत धारीवाल, प्रदीप गोलेच्छा, अभिनंदन छाजेड़, महेंद्र धारीवाल, सुरेश धारीवाल सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित थे।

रविवार को संतों के दर्शन के लिए बेंगलूरु जैन नवयुवक मंडल श्रीरामपुरम के मार्गदर्शक संतोष दक, कांतिलाल गुगलिया, दिनेश ख़िंवेसरा, उपाध्यक्ष संदीप छल्लानी एवं मंडल के पूर्व मंत्री मुकेश बाबेल कोलार पहुंचे और संतों का आशीर्वाद प्राप्त किया।

दर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

यहां ऊटी में विराजित श्रमण संघीय श्री चारित्र प्रभाजी म. सा. की शिष्या डॉ. प्रतिभाश्रीजी म. सा., साध्वीश्री ऋषिताजी, अनुज्ञाश्रीजी, सर्वज्ञाश्री, प्रियांगीश्री के दर्शन वंदन मांगलिक श्रवण के लिए श्री वर्धमान जैन सेवा संघ(कोयंबटूर) के अध्यक्ष नेमीचंद लोढ़ा के नेतृत्व में संघ के पदाधिकारियों ने रविवार को किए। उनके साथ ही संघ के संरक्षक ज्ञानचंद खारीवाल, संस्थापक राजेश कुमार गादिया, सेवा संघ के खेल प्रकोष्ठ के टाइगर खारीवाल आदि पहुंचे। सतीवृंद ने सभी को धर्म लाभ और आशीर्वाद दिया। सतीमंडल का कुछ दिनों का प्रवास ऊटी ही रहने की संभावना है।

अणुव्रत क्रिएटिविटी कांटेस्ट की तैयारियां शुरू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक स्तरीय अणुव्रत क्रिएटिविटी कांटेस्ट कमेटी (एसीसी) की बैठक शनिवार को राजाजीनगर स्थित एक होटल में हुई।

अणुव्रत आचार संहिता का वाचन देवराज रायसोनी ने किया। कर्नाटक राज्य प्रभारी शांति संकलेचा ने सभी का स्वागत किया। अणुव्रत विश्व भारती सोसाइटी व प्रतियोगिता के राष्ट्रीय संयोजक राजेश चावत ने बताया कि इस वर्ष यह प्रतियोगिता देश के 24 राज्यों के 500 से अधिक शहरों में होगी, जिसमें 11 हजार स्कूल भाग लेंगे। इस प्रतियोगिता का मूल उद्देश्य बच्चों में नैतिकता व प्रमाणिकता का बीजारोपण करना है ताकि देश के लिए एक अच्छे नागरिक तैयार हों। इस वर्ष की प्रतियोगिता का विषय है संविधान की धार – मर्यादाओं को हो आधार। सह संयोजिका सुभद्रा लुणावत ने एसीसी के नियम एवं कार्यप्रणाली के बारे में जानकारी दी। सोनल कोठारी ने नेटवर्किंग टीम की जानकारी दी। कर्नाटक एसीसी राज्य प्रभारी बबीता चोपड़ा ने धन्यवाद दिया ।

बारिश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

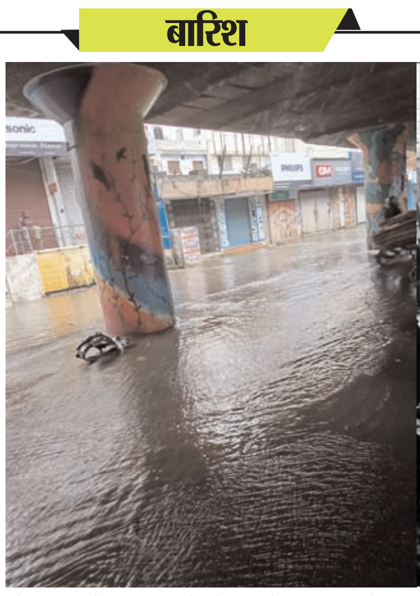

कोयम्बटूर में रविवार को दोपहर में अचानक से आई बारिश से दुकानों में पानी भर गया। सोमा सुन्दरम मिल रोड स्थित इलेक्ट्रिक मार्केट स्थित अनेक अंडर ग्राउन्ड दुकानों में बारिश का पानी भर गया। जिसके चलते व्यापारियों को काफी नुकसान हुआ।

अन्नदान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के बापूजी नगर में मुनेश्वरा स्वामी देवालय में आयोजित 12वें जात्रा महोत्सव कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि युवा समाजसेवी महेंद्र मुणोत ने भगवान के दर्शन कर आशीर्वाद लिया एवं अन्नदान कार्यक्रम में सेवा प्रदान की।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.

Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.